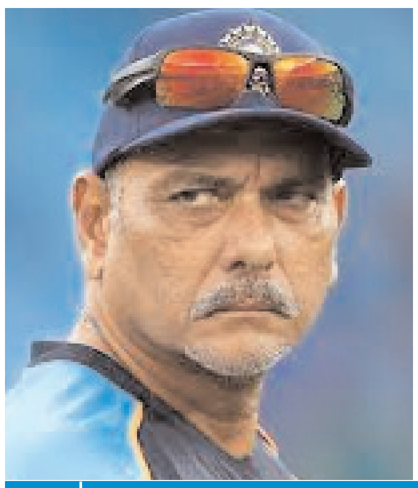

TITLE CODE :-DELHIN29015

राजनीतिक दांव

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

जीत सत्य की...

TITLE CODE DELHIN29015

नई दिल्ली
बुधवार
27 अप्रैल, 2022
वर्ष-01
अंक-03

तेजी से प्रगति के लिए सरकार और नागरिक समाज मिलकर करें काम : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि जब सरकार तथा नागरिक समाज मिलकर काम करते हैं तो ही देश और समाज प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ सकते हैं। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां गैर सरकारी संगठन तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू के सदस्यों के साथ मुलाकात के दौरान यह बात कही। यह संगठन वर्ष 2016 से सेना के साथ हिमस्खलन जैसे खतरों से बचने, प्रशिक्षण और जागरूकता फैलाने का काम कर रहा है।

रक्षा मंत्री ने बाद में ट्वीट कर कहा, ह्लमुझे जानकर बहुत दुःख हुआ, कि हर साल हमारी सेना के 20 से 25 सैनिक इस तरह की दुर्घटनाओं में अपनी जान गँवा बैठते हैं। यानी इससे अधिक दुखद बात और क्या हो सकती है, न कोई युद्ध, न कोई आतंकी घटना, फिर भी हमारे इतने फौजी हिमस्खलन में अपनी जान खो बैठते हैं। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए यह गैर सरकारी संगठन अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है जिससे हर वर्ष अनेक सैनिकों का जीवन बचता है। यह बड़े ही संतोष और खुशी की बात है कि तिरंगा संगठन की टीम इस वर्ष जिन जिन क्षेत्रों में तैनात रही वहां सेना का कोई भी जवान हताहत नहीं हुआ। श्री सिंह ने कहा, कोई भी देश और समाज प्रगति के पथ पर तभी तेजी से आगे बढ़ सकता है, जब वहां की सरकार और नागरिक समाज दोनों मिलकर काम करें। एक स्वस्थ और सशक्त समाज के लिए मैं इन दोनों को दो पहियों के समान मानता हूं, प्रगति की राह में आगे बढ़ने के लिए जिनका साथ-साथ चलना आवश्यक है। उन्होंने इस मौके पर संगठन के संस्थापक हेमंत सचदेव और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा, आपने हमारे रक्षा कर्मियों को हिमस्खलन जैसे गंभीर खतरों से बचाने, उसके प्रति जागरूकता फैलाने और प्रशिक्षण देने का काम किया है जो सराहनी है।

'पीके' कांग्रेस में नहीं होंगे शामिल

बोलेः नेतृत्व और सामूहिक इच्छाशक्ति मुझसे ज्यादा जरूरी

नई दिल्ली। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस में शामिल होने के पार्टी नेतृत्व के प्रस्ताव को मंगलवार को ठुकरा दिया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी में घर कर गई ढांचागत समस्याओं को दूर करने के लिए उनसे ज्यादा जरूरी यह है कि कांग्रेस में नेतृत्व और सामूहिक इच्छाशक्ति हो।

पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किशोर को कांग्रेस के विशेषाधिकार प्राप्त कार्य समूह -2024 का हिस्सा बनकर पार्टी में शामिल होने की पेशकश की थी।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, प्रशांत किशोर की प्रस्तुति और उनके साथ चर्चा के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने विशेषाधिकार प्राप्त कार्य समूह-2024 का गठन किया और किशोर को निर्धारित जिम्मेदारी के साथ इस समूह का हिस्सा बनकर पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने इनकार कर दिया। हम उनके प्रयासों और पार्टी को दिए गए सुझावों की सराहना करते हैं।

सुरजेवाला की इस टिप्पणी के कुछ देर बाद किशोर ने ट्वीट कर कहा, मैंने विशेषाधिकार प्राप्त कार्य समूह का हिस्सा बनकर पार्टी में शामिल होने और चुनावों की जिम्मेदारी लेने की कांग्रेस की दरियादिली भरी पेशकश को स्वीकार करने से इनकार किया है।

उन्होंने यह भी कहा, मेरी विनम्र राय है कि मुझसे ज्यादा पार्टी को नेतृत्व और सामूहिक इच्छाशक्ति की जरूरत है ताकि परिवर्तनकारी सुधारों के माध्यम से पार्टी के भीतर घर कर चुकी ढांचागत समस्याओं को दूर किया जा सके।

किशोर के कांग्रेस में शामिल होने से इनकार करने के बाद पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने चुनावी रणनीतिकार के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, अपने मुराने मित्र पीके के साथ शानदार मुलाकात थी...पुरानी शराब, पुराना सोना और पुराने मित्र सर्वश्रेष्छ होते हैं। पिछले कई दिनों से किशोर की ओर से दिए गए सुझावों और उनके पार्टी से जुड़ने की संभावना को लेकर कांग्रेस के भीतर लगातार मंथन हो रहा था।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किशोर के सुझावों पर विचार के लिए गठित समिति की रिपोर्ट पर मंथन करने के बाद सोमवार को फैसला किया कि अगले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी को मजबूत करने और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के मकसद से एक विशेषाधिकार प्राप्त कार्य समूह-2024 का गठन किया जाएगा।

खेती से अधिक लाभ लेने के लिए प्रयोगधर्मी बनें किसान : तोमर

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए किसानों को प्रयोगधर्मी बनना होगा। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) सहित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने अनेक अनुसंधान किए हैं, जो भारतीय कृषि को सतत आगे बढ़ा रहे हैं। किसानों को अपनी कृषि भूमि पर इन अनुसंधानों का प्रयोग करते हुए बीजों की नई विकसित किस्मों का उपयोग करना चाहिए।

तोमर ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से किसानों की भागीदारी, प्राथमिकता हमारी अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि कि केंद्र सरकार छोटे किसानों को बड़ा बनाने के लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा कि केवीके और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (एटीएमए) विकसित प्रौद्योगिकियों को किसान समुदाय तक ले जाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। केवीके कृषि प्रगति में अग्रणी हैं, जिनका किसानों से सीधा संपर्क रहता है।

तोमर ने कहा कि वर्ष 2021-22 में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्र के उत्पादों का निर्यात लगभग चार लाख करोड़ रु. हुआ, जिसमें किसानों का योगदान सराहनीय है। किसानों के अथक परिश्रम, वैज्ञानिकों की कुशलता और सरकार की किसान हितैषी नीतियों के सद्परिणाम सामने आ रहे हैं और किसानों की आमदनी भी सतत बढ़ रही है।

उल्लेखनीय है कि देशभर में 25 से 30 अप्रैल तक किसानों की भागीदारी, प्राथमिकता हमारी अभियान, किसान समुदाय को मजबूत करने के लिए समर्पित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों व अन्य कृषि संस्थानों में कृषि मेलों के साथ-साथ किसानों के हितों को लेकर चचाएं आयोजित की जा रही हैं।

देश की प्रेरक कहानियां लोगों को करेगी प्रेरित और सशक्त : अनुराग ठाकुर

नेटफ्लिक्स, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने महिला अग्रदूतों पर लघु फिल्म जारी की

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को प्रेरक कहानियों को प्रदर्शित करने वाली सात लघु वीडियो श्रृंखला आजादी की अमृत कहानियां की शुरूआत की। ये वीडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के सहयोग से बनाया गया है। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य भारतीयों की प्रेरक कहानियों को सामने लाना है और ये कहानियां अधिक लोगों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित और सशक्त करेंगी।

उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, सतत विकास और महत्व के अन्य दिनों सहित विषयों पर पच्चीस वीडियो का निर्माण करेगा। नेटफ्लिक्स मंत्रालय के लिए दो मिनट की 25 लघु फिल्मों का निर्माण करेगा जिसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाएगा और दूरदर्शन नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स और मंत्रालय पोस्ट-प्रोडक्शन, वीएफएक्स, एनिमेशन, म्यूजिक प्रोडक्शन के लिए भारत में क्रिएटिव इकोसिस्टम विकसित करने के लिए साझेदारी करेंगे।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि नेटफ्लिक्स और मंत्रालय भारत में फिल्म निमार्ताओं को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न विषयों पर प्रेरक सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं और मास्टर कक्षाओं का आयोजन करना जारी रखेंगे।

इस मौके पर महिला परिवर्तन निमार्ता बसंती देवी, पिथौरागढ़ की पद्म पुरस्कार विजेता पर्यावरणविद्, कोसी नदी को पुनर्जीवित करने में उनके योगदान के लिए जानी जाती हैं। साल 2017 में पांच दिनों में दो बार माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली दुनिया की पहली महिला होने के लिए पद्म श्री से सम्मानित अंशु जमसेनपा और भारत में पहली महिला फायर फाइटर हर्षिनी कान्हेकर भी मौजूद थीं।

सचिव अपूर्व चंद्रा ने अपने उद्घाटन भाषण में सूचना और प्रसारण मंत्रालय और नेटफ्लिक्स के बीच अभिसरण पर प्रकाश डाला और कहा कि दोनों संस्थाओं ने एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए और आज जारी किए गए ये तीन वीडियो इस साझेदारी के तहत निर्मित पहला सेट हैं। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम पर एक लंबे समय तक चलने वाली श्रृंखला और दुनिया को बताई जाने वाली कहानियों की विशेषता वाला एक गहरा सहयोग पाइपलाइन में है।

इस अवसर पर बोलते हुए, नेटफ्लिक्स, ग्लोबल टीवी की प्रमुख बेला बजरिया ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे जीवंत मनोरंजन उद्योगों में से एक है। उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स ऐसे समय में इस अभियान का हिस्सा बना है जब भारत से कहानियां दुनिया को निर्यात की जा रही हैं और सर्वश्रेष्ठ भारतीय कहानियों को वैश्विक मंच पर खोजा और पसंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स को अपनी सुंदर कला, संस्कृति और कहानी कहने के द्वारा पिछले 75 वर्षों में भारत के विकास का जश्न मनाने और स्वीकार करने के लिए एमआईबी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है।

बजरिया ने कहा कि ये कहानियां अविश्वसनीय महिलाओं की हैं जिन्होंने अपने सपनों को हासिल करने के लिए बाधाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। भारत के लिए नेटफ्लिक्स की प्रतिबद्धता मजबूत और बढ़ती जा रही है और नेटफ्लिक्स देश की बेहतरीन कहानियों को ढूंढता रहेगा और उन्हें दुनिया भर में साझा करेगा, उन्होंने टिप्पणी की।

कोविड, अफगानिस्तान, यूक्रेन विश्व के सामने प्रमुख मुद्दे : एस जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को हाल के समय में कई आघातों का सामना करना पड़ा है और कोविड-19 महामारी, अफगानिस्तान में तालिबान का सत्तारूढ़ होना और यूक्रेन-रूस युद्ध उनमें से प्रमुख हैं।

रायसीना संवाद में टाउनहाल परिचर्चा में कई सवालों के जवाब में डॉ. जयशंकर ने कहा कि रूस -पश्चिमी जगत तथा अमेरिका - चीन जैसी बड़ी ताकतों के बीच संघर्ष का भी विश्व पर प्रभाव पड़ रहा है।

यूक्रेन पर भारत के रुख के बारे में सवालों का जवाब देते हुए डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत का रुख बहुत साफ और करीने से उकेरा गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लेकर जो चिंता आज पश्चिमी देश दिखा रहे हैं, वैसी चिंता पश्चिमी देशों ने तब नहीं दिखायी जब अफगानिस्तान पर तालिबान काबिज हुआ था।

जब उनसे पूछा गया कि कौन से ऐसे तीन मुद्दे हैं जो उन्हें रात में भी सोने नहीं देते, इस पर विदेश मंत्री ने कहा कि रात में केवल एक चीज नहीं सोने देती, वह है विमान यात्रा के दौरान कभी कभार होने वाली थकान। उन्होंने कहा कि रही बात, विश्व व्यवस्था जिन आघातों का आज सामना कर रही है, तो यदि आप बीते तीन दशकों पर दृष्टि डालें तो वैश्वीकरण, तकनीक का प्रसार, इन बातों से समृद्धि का संतुलन और उच्च वृद्धि दर पर असर पड़ा था। विशेष रूप से एशिया पर असर पड़ा था। पर बीते तीन वर्षों में हमें कुछ और बड़े आघात लगे। कोविड एक आघात है, अफगानिस्तान एक आघात है, यूक्रेन एक आघात है। पश्चिम और रूस तथा अमेरिका और चीन जैसी बड़ी शक्तियों के बीच तीखे टकराव, ये वे मुद्दे हैं जो भारत एवं बाकी दुनिया के लिए चिंता का विषय हैं।

डॉ. जयशंकर ने कहा कि बदलती दुनिया से तालमेल बनाने के लिए एक ऑपरेशनल मैट्रिक्स विकसित करने की आवश्यकता है। भारत ने बहुआयामी नीति पर फोकस किया है। उन्होंने पड़ोसी प्रथम नीति और विस्तारित पड़ोसी नीति का भी उल्लेख किया।

विदेश मंत्री से यूक्रेन और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की यात्रा के बारे में कई सवाल पूछे गये। उन्होंने कहा कि यदि आप रूस को लेकर औचित्य के बारे में पूछना चाह रहे हैं, तो वह काम श्री लावरोव का है, वह सिर्फ यूक्रेन पर भारत के दृष्टिकोण के औचित्य को बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के यूक्रेन को लेकर रुख बहुत साफ है जो कूटनीति एवं संवाद पर लौटने तथा देशों की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता पर बल देता है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में कुछ दिन पहले विश्व समुदाय द्वारा समूची सिविल सोसाइटी को बस के नीचे धकेल दिया गया था। एशिया में हम अपने प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं जिनका नियम आधारित व्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है। हममें से हर कोई हमारे विश्वास, हमारे हितों में एक वास्तविक संतुलन खोजना चाहता है और इसीलिए हम इसकी कोशिश कर रहे हैं। कोविड, अफगानिस्तान, यूक्रेन और बड़ी शक्तियों में प्रतिद्वन्द्विता का प्रत्येक देश पर असर पड़ा है। विदेश मंत्री ने कहा, ह्लमैं इस क्षण को समझता हूं। यह क्षण आपको उलझाए हुए है लेकिन इसके बाहर एक और दुनिया है और मुझे बहुत खुशी है कि आप सब यहां भारत में बैठे हैं, यह आपको याद दिलाएगा कि विश्व के अन्य हिस्सों में उतने ही महत्वपूर्ण और भी मुद्दे हैं।ह्व उन्होंने कहा कि जब एशिया में नियम आधारित व्यवस्था चुनौती का सामना कर रही है, तब यूरोप से हमें सलाह मिली कि आप अधिक व्यापार करें। कम से कम हम आपको कोई सलाह तो नहीं दे रहे हैं। अफगानिस्तान के बारे में बताइये, नियम आधारित व्यवस्था का कौन सा भाग न्यायोचित है जो विश्व ने वहां किया।ह्व उन्होंने कहा कि यूक्रेन के संघर्ष में हममें से कोई विजेता नहीं होगा।

5 से 12 साल के बच्चों के लिए दो वैक्सीन को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने 5 से 12 वर्ष के आयुवर्ग के बच्चों के लिए कोविड-19 रोधी टीके 'कॉर्बेवैक्स' और 6 से 12 वर्ष के आयुवर्ग के बच्चों के लिए 'कोवैक्सीन' के टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की कोविड-19 वैश्विक महामारी पर गठित विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की सिफारिशों के बाद भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने इसके इस्तेमाल की अनुमति दी है।

एसईसी ने 5 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के वास्ते 'बायोलॉजिकल ई' के कोविड-19 रोधी टीके 'कोर्बेवैक्स' और 6 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 'कोवैक्सीन' टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी (ईयूए) देने की पिछले सप्ताह सिफारिश की थी। 'बायोलॉजिकल ई' के 'कॉर्बेवैक्स' टीके की खुराक अभी 12 से 14 वर्ष के आयुवर्ग के बच्चों को दी जा रही है। वहीं, 24 दिसंबर, 2021 को डीसीजीआई ने 12 से 18 वर्ष के आयुवर्ग के लोगों के लिए 'कोवैक्सीन' को आपातकालीन इस्तेमाल की सूची (ईयूएल) में डाल दिया था।

टेस्ला का भारत में स्वागत, पर चीन से आयात मंजूर नहीं : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अगर अमेरिकी कंपनी टेस्ला अपने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का भारत में निर्माण करना चाहती है, तो इसमें कोई समस्या नहीं है। मगर, भारत को चीन में निर्मित टेस्ला के वाहनों का आयात करने पर आपत्ति हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत बड़ा बाजार है और यहां सभी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए काफी संभावनाएं हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को रायसीना संवाद कार्यक्रम में कहा कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क अगर भारत में विनिर्माण को तैयार हैं तो उनका यहां स्वागत है। वह भारत से निर्यात कर सकते हैं। अगर, वह इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण चीन में करना चाहते हैं और वाहन भारत में बेचना चाहते हैं तो यह हमारे लिए अच्छा प्रस्ताव नहीं हो सकता है। पिछले साल भारी उद्योग मंत्रालय ने भी कहा था कि टेस्ला पहले भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण शुरू करे, उसके बाद ही कर रियायतों पर विचार किया जा सकता है।

ईवी वाहनों में गड़बड़ी ठीक करने को तुरंत कदम उठाएं

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में हाल में आग लगने की घटनाओं का जिक्र करते हुए गडकरी ने कंपनियों से कहा कि वे गड़बड़ी वाले वाहनों को वापस मंगाने को लेकर तुरंत कदम उठाएं। मार्च, अप्रैल और मई में पारा चढ़ने के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी में कुछ समस्या होती है। उन्होंने कहा कि देश के ईवी उद्योग ने अभी काम करना शुरू किया है और सरकार उनके समक्ष कोई बाधा पैदा नहीं करना चाहती। मगर, सरकार के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और मानव जीवन के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिये सरकार संकल्पित: शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने मंगलवार को कहा कि भीषण गर्मी के कारण विद्युत मांग में अप्रत्याशित उछाल के बावजूद बिजली विभाग अपने उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिये संकल्पित है।

श्री शर्मा ने कहा कि पिछले चार सालों में भीषण गर्मी के कारण बिजली की मांग सर्वाधिक बढ़ी है, जिसके कारण विभाग के सामने चुनौतियां हैं। फिर भी हमारी सरकार सभी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए संकल्पित है। विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं इसके सुचारू संचालन के लिए मोबाइल टीम बनाकर नियमित रूप से अलर्ट होकर मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने कहा कि कॉल सेंटर 1912 को और व्यवस्थित ढंग से संचालित कर इसमें आ रही शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं सहयोग के साथ त्वरित समाधान किया जायेगा। उन्होंने शत-प्रतिशत बिलिंग के साथ सभी उपभोक्ताओं के यहां मीटर लगाने तथा बड़े बकायेदारों से बिजली बिल वसूलने के लिए कठोर कार्यवाही करने से भी न हिचकने को कहा। उन्होंने बड़े शहरों खासकर लखनऊवासियों को बिजली तारों के मकड़जाल/जंजाल की व्यवस्था से शीघ्र मुक्त करने के भी निर्देश दिये हैं।

श्री शर्मा ने विद्युत व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए बकायेदार उपभोक्ताओं से अपना बिजली बिल समय से जमा करने की अपील भी की। मध्यांचल एवं दक्षिणांचल डिस्काम की विद्युत व्यवस्था एवं आपूर्ति, बिलिंग, ट्रिपिंग, फाल्ट, राजस्व वसूली एवं मॉनीटरिंग की सम्बंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक में श्री शर्मा ने उपभोक्ताओं एवं जन-प्रतिनिधियों से भी विद्युत आपूर्ति की जानकारी ली एवं विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए उनके सुझाव जानें।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले, लोगों की शिकायतों का शीघ्र समाधान हो, इसके लिए ईमानदारी से कार्य किया जाय। उन्होंने कहा कि प्रबंधकीय व्यवस्था की कमी से विद्युत व्यवस्था चरमराई हुई है, जिसके लिए सम्बंधित डिस्काम के एमडी अनिल ढिंगरा एवं अमित किशोर के साथ सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता तक के अधिकारियों को अपनी कार्य संस्कृति में सुधार करने तथा इसके लिए जन-प्रतिनिधियों का सहयोग लेने एवं उनके सुझाव पर अमल करने के भी आवश्यक निर्देश दिये।

थरवई हत्याकांड में घुमंतू गिरोह का हाथ होने का शक

प्रयागराज, एजेंसी। जिले के गंगापार थरवई थाना क्षेत्र के खेवराजपुर गांव में बीते शुक्रवार की रात एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या के मामले में पुलिस को घुमंतू गिरोह का हाथ होने का शक है और पुलिस उस दिशा में काम कर रही है। विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को अभी तक जांच में इस घटना के पीछे किसी दुश्मनी, संपत्ति का विवाद या घरेलू विवाद कारण नहीं दिखा है और पुलिस को संदेह है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश या बिहार के घुमंतू गिरोह का इस घटना के पीछे हाथ हो सकता है। इसी तरह की पिछली घटनाओं में अपराध के तरीके का विश्लेषण करने पर पुलिस को कुछ संकेत मिले हैं और उसने कुछ ऐसे गिरोहों की पहचान की है जो इसी तरह से घटनाओं को अंजाम देते हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम बिहार भेजी गई है। उन्होंने बताया कि बिहार के एक जिले का घुमंतू गिरोह प्रयागराज के गंगापार में हत्या, लूट, दुष्कर्म जैसी कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष इस गिरोह के कई सदस्य पकड़े गए थे।

थरवई की इस घटना के बाद प्राथमिकी में दुराचार की धाराएं ना जोड़े जाने पर पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुराचार के संबंध में अभी तक कोई पुष्टिकारक साक्ष्य नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि हालांकि महिला मृतकों के शरीर से स्वैब एकत्र कर इन्हें एफएसएल भेजा गया है और इस संबंध में सच्चाई का पता जल्द लगा लिया जाएगा।

रविवार को तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने खेवराजपुर गांव का दौरा करके पीड़ित परिवार को सांत्वना दी थी। वहीं समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी गांव का दौरा किया और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी मदद का आश्वासन दिया।

वाराणसी में नमो घाट तैयार, प्रधानमंत्री जल्द कर सकते हैं उद्घाटन

वाराणसी (उप्र), एजेंसी। वाराणसी में, देश दुनिया के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करने वाले गंगा नदी के घाटों में अब एक और नया घाट शामिल हो जाएगा। इस नए घाट का नाम ह्यखिड़किया घाटह्न है लेकिन इसे नमो घाट भी कहा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही इस घाट का उद्घाटन कर सकते हैं। घाट पर तीन जोड़ी हाथ की अभिवादन करती आकृतियां बनाई गई हैं। सूर्य का अभिवादन और गंगा को प्रणाम करते हाथों के इन तीनों शिल्पों की वजह से इस घाट को लोग ह्यनमोह्न घाट कहते हैं। खिड़किया घाट के प्रथम चरण का काम समाप्ति की ओर है। इस पर करीब 34 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस घाट से जल मार्ग और वायु मार्ग को भी जोड़ा जाएगा ताकि पर्यटक अन्य शहरों तक जा सकें। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में प्राचीनता को संजोए हुए, आधुनिकता के साथ तालमेल कर चलती काशी के करीब 84 घाटों की श्रंखला में यह नया घाट लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वाराणसी स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ डी. वासुदेवन ने बताया कि करीब 21000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बन रहे इस घाट की लागत लगभग 34 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि यह लगभग आधा किलोमीटर लम्बा है और इसका पहला चरण बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने बताया इसके निर्माण में 'मेक इन इंडिया' पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस घाट पर 'वोकल फॉर लोकल' भी दिखेगा। श्रद्धालु बनारस की सुबह देखने के बाद यहां शाम को गंगा आरती में शामिल हो सकेंगे।

नवनिर्वाचित 36 विधान परिषद सदस्यों ने ली शपथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के 36 नवनिर्वाचित सदस्यों (एमएलसी) ने मंगलवार को विधान परिषद की शपथ ग्रहण की।

विधानभवन के तिलक हाल में सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण करायी। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के अलावा प्रमुख सचिव विधान परिषद् डॉ राजेश सिंह तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

इस अवसर पर सभापति ने सत्यपाल सिंह, कुँवर महाराज सिंह, वागीश पाठक, डॉ सुधीर गुप्ता, अशोक कुमार, अनूप कुमार गुप्ता, पवन कुमार सिंह, राम चन्द्र प्रधान, दिनेश प्रताप सिंह, अक्षय प्रताप सिंह, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, अंगद कुमार सिंह, श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी, अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, हरि ओम पाण्डेय, सुभाषचन्द्र उर्फ सुभाष यदुवंश, सीपी चन्द, डॉ रतन पाल सिंह, विक्रान्त सिंह उर्फ रिशु, रविशंकर सिंह 'प्पू भैया', विशाल सिंह 'चंचल', बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्सू', श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह उर्फ पूनम सिंह, श्याम नरायन सिंह, डॉ केपी श्रीवास्तव, जितेन्द्र सिंह सेंगर, श्रीमती रमा निरंजन, अविनाश सिंह चौहान, प्राँशु दत्त द्विवेदी, विजय शिवहरे, आशीष कुमार यादव, ओमप्रकाश, ऋषिपाल सिंह, नरेन्द्र सिंह भाटी, धर्मेन्द्र कुमार भारद्वाज तथा श्रीमती वन्दना वर्मा को विधान परिषद् की सदस्यता की शपथ दिलाई।

गौरतलब है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधान परिषद की स्थानीय निकाय प्राधिकार वाली 36 सीटों पर हाल ही में हुए चुनाव में 33 सीटें जीती हैं। दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों और एक सीट जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) ने जीती हैं। इसके साथ ही 100 सदस्यीय उच्च सदन में भाजपा की 66 सीटें हो गयी हैं। इसके साथ ही भाजपा का अब उच्च सदन में भी पूर्ण बहुमत हो गया है।

यूपी की बड़ी छलांग, अब तक 5600 स्टार्टअप हुए पंजीकृत

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बनी स्टार्टअप नीति के चलते इसकी संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। राज्य में अब तक 5600 स्टार्टअप पंजीकृत हो गए हैं। जल्दी ही इनकी संख्या बढ़ाकर दस हजार की जाएगी। क्योंकि कई निवेशकों ने यहां अपना स्टार्टअप स्थापित करने के लिए आवेदन किया है। राज्य में स्टार्टअप की संख्या दस हजार से अधिक करने के लिए प्रदेश के हर जिले में कम से कम एक इनक्यूबेटर की स्थापना करने का फैसला किया गया है।

इसके तहत उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृषि शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग में इनक्यूबेटर की स्थापना किए जाएंगे। प्रदेश में कुल सौ इन्क्यूबेटर स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से 47 इनक्यूबेटर स्थापित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने सौ दिनों में दो उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर फॉर एक्सीलेंस) भी स्थापित करने का फैसला किया है। राज्य सरकार का मत है कि इनक्यूबेटर और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना से जहां प्रदेश में एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा, वहीं प्रदेश में स्थापित स्टार्टअप देश को स्टार्टअप हब बनाने में अहम भूमिका निभा सकेंगे।

औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बीते दिनों मंत्रिपरिषद के सामने हुए प्रजेंटेशन में नए स्टार्टअप की स्थापना को बढ़ावा देने का फैसला किया गया, ताकि दस लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराने और स्टार्टअप रैंकिंग में यूपी को नंबर एक बनाए जाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जल्दी ही राज्य में हर मंडल स्तर और हर जिले में एक इन्क्यूबेटर सेंटर बनाए जाएंगे, कुल एक सौ नए इन्क्यूबेटर सेंटर की स्थापना की जाएगी। इन इन्क्यूबेटर सेंटर के जरिए मैनेजमेंट ट्रेनिंग या अन्य जरूरी सेवाएं देकर नई स्टार्टअप कंपनियों को विकसित करने में मदद मिलेगी। इन इनक्यूबेटर के जरिए करीब राज्य में दस हजार नए स्टार्टअप और स्थापित किए जाएंगे, जिससे 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और एक लाख लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। सरकार के ऐसे प्रयास से स्थानीय प्रतिभा को वहीं पर रोजगार के अवसर मुहैया हो सकेंगे। यहीं नहीं इसके लिए स्टार्टअप शुरू करने वालों को पॉलिसी के तहत प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे।

अधिकारियों का दावा है कि इच्छुक उद्यमियों को जो प्रोत्साहन सरकार दे रही है, उसके चलते ही 5600 से अधिक स्टार्टअप स्थापित किए जा चुके हैं। इससे करीब पचास हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। सबसे अधिक 1154 स्टार्टअप नोएडा में स्थापित किए गए हैं। जबकि गाजियाबाद में 533, लखनऊ में 500 और बुंदेलखंड और पूर्वांचल क्षेत्र के जिलों में कुल 1,219 स्टार्टअप्स स्थापित किए जा चुके हैं।

ये स्टार्टअप सूचना प्रौद्योगिकी, सर्विस सेक्टर, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, टेक्सटाइल क्षेत्र में काम कर रहे हैं। अब इसमें और इजाफा होगा क्योंकि जल्द ही राज्य में हर मंडल और हर जिले में इनक्यूबेटर की स्थापना की जाएगी। अभी राज्य के 15 जिलों में ही 47 इनक्यूबेटर स्थापित हैं। राज्य के हर जिले में स्थापित किए जाने वाले इनक्यूबेटर के जरिए प्रबंधन प्रशिक्षण या अन्य जरूरी सेवाएं प्रदान कर नई स्टार्टअप कंपनियों को विकसित करने में मदद मिलेगी। इनके जरिये लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इसके साथ ही सरकार ने सौ दिनों में दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है, इनमें से एक ड्रोन उत्कृष्टता केंद्र आईआईटी कानपुर में स्थापित किया जाएगा।

यूपी के सभी अधिकारियों को सरकारी स्कूल गोद लेने का निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। योगी आदित्यनाथ सरकार ने अब उत्तर प्रदेश के सभी आयुक्तों, जिलाधिकारियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के लिए राज्य के सरकारी स्कूलों को गोद लेना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में निर्देश मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा द्वारा 4 अप्रैल को जारी किया गया था। स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ के दौरान सांसदों, विधायकों और जन प्रतिनिधियों को स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए इन्हें गोद लेने को कहा गया। मिश्रा ने कहा कि उम्मीद है कि संभागीय आयुक्त और जिला मजिस्ट्रेट ऑपरेशन कायाकल्प परियोजना में अपना योगदान देंगे, जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों को अपनाकर उन्हें बदलना है। उन्होंने कहा कि आपको अपने साथ काम करने वाले राजपत्रित अधिकारियों को भी सरकारी स्कूलों को गोद लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

पत्र की एक प्रति सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों को भेजकर बच्चों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए एक स्कूल गोद लेने को कहा गया है।

मुख्य सचिव ने अतिरिक्त मुख्य सचिवों को सचिवालय और निदेशालयों में कार्यरत अपने कर्मचारियों को गोद लिए हुए स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर ऑपरेशन कायाकल्प में योगदान देने के लिए प्रेरित करने को भी कहा है। उन्हें स्कूल प्रशासन से सीधा संपर्क स्थापित कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिलाधिकारियों को ब्लॉक स्तर पर अधिकारियों द्वारा गोद लिए गए स्कूलों की सूची बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) के माध्यम से अगले 15 दिनों में सरकार को उपलब्ध कराने को कहा है।

मण्डलों का तीन दिवसीय दौरा करेंगे मंत्री, मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे रिपोर्ट

- मंत्रिमण्डल के बाद मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के विकास पर हुई चर्चा
- सभी मंत्रियों को आवंटित किये गये मण्डल, मंत्री के साथ होंगे एक स्वतंत्र प्रभार और एक राज्य मंत्री

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनेक्सी) में मंत्रिमण्डल की बैठक में नौ अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसके बाद मंत्रिपरिषद समूह की बैठक में सभी मंत्री, राज्य मंत्री स्वतंत्रप्रभार और राज्य मंत्री शामिल हुए। इस बैठक में मंत्री, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और राज्य मंत्री को मिलाकर तीन मंत्रियों के समूह को मण्डलवार दौरा करने का फैसला हुआ। मंत्रियों के इस समूह को शुक्रवार, शनिवार और रविवार को उनके आवंटित मण्डलों में दौरा करने को कहा गया है। वह दौरा कर फीडबैक लेंगे और रिपोर्ट तैयार कर 15 मई तक मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे।

मंत्रिपरिषद की इस विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए दिशा निर्देश

मंत्रिपरिषद के समक्ष सभी विभागों के सांगठनिक व्यवस्था से अवगत होते हुए विगत पांच वर्ष में विभाग की उपलब्धियों के परिचय के साथ आगामी 100 दिन, छह माह, एक वर्ष, दो वर्ष और पांच वर्ष की कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण संपन्न हो चुका है। अब इस कार्ययोजना को यथार्थ रूप देने का समय है। सभी मंत्री विभागीय अधिकारियों का मार्गदर्शन करें। परियोजनाओं में गुणवत्ता और समयबद्धता को सुनिश्चित कराएं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हम सभी को अंत्योदय के संकल्प को पूरा करने के लिए प्राण-प्रण से जुटना होगा।

सरकार गठन के एक माह पूर्ण हो चुके हैं। हमारी भावी कार्ययोजना तैयार हो चुकी है। अब सरकार जनता के द्वार पहुंचेगी। आगामी विधानसभा सत्र से पूर्व मंत्रिपरिषद के प्रदेश भ्रमण का कार्य पूरा कर लेना होगा। इस संबंध में 18 मंत्री समूह गठित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री गणों की टीम में एक-एक राज्य मंत्री सम्मिलित हैं, शेष तीन सदस्यीय मंत्री समूह गठित किए गए हैं। यह 18 समूह 18 मंडलों का भ्रमण करेंगी। भ्रमण का यह कार्यक्रम शुक्रवार से रविवार तक होगा। पहले चरण में प्रदेश भ्रमण करने के बाद मंत्री समूहों का रोटेशन प्रणाली के तहत दूसरे मंडलों की जिम्मेदारी दी जाएगी। तीन दिवसीय मंडलीय भ्रमण के दौरान हर टीम को एक जिला में कम से कम 24 घंटे रहना होगा। टीम का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ मंत्री कम से कम दो जिलों का भ्रमण करेंगे। शेष मंत्रियों को सुविधानुसार एक-एक जिले की जिम्मेदारी दी जाए।

संगठन और विचार परिवार के सदस्यों के साथ होगी बैठक

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री समूह मंडलीय भ्रमण के दौरान एक मंडलीय समीक्षा बैठक करेगा। जिलों को वर्चुअली जोड़ा जा सकता है। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता जरूर हो। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान पूर्व जनप्रतिनिधियों, संगठन और विचार परिवार के सदस्यों के साथ भी बैठक करें। उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं और सुझावों को सुनें। निदान का प्रयास करें। मंडलीय समीक्षा बैठकों में विभागीय प्रस्तुतिकरण देखें।

भ्रमण के दौरान रात्रि विश्राम जिले में ही करना होगा

उन्होंने कहा कि भ्रमण के दौरान जन चौपाल का कार्यक्रम अवश्य किया जाए। मंत्री सीधा जनता से संवाद करें। किसी एक विकास खंड, तहसील का औचक निरीक्षण करने को भी कहा गया है। इस दौरान दलित, मलिन बस्ती में सहभोज का कार्यक्रम होगा। विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। गुणवत्ता की जांच करनी होगी। शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से भेंट करने को भी कहा गया है। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए महिला सुरक्षा के मामलों, एससी/एसटी के प्रकरणों में अभियोजन की स्थिति, पुलिस पेट्रोलिंग, बाल यौन अपराधों, व्यापरियों की समस्याओं, गैंगस्टर पर कार्रवाई आदि का पूरा विवरण देखें। मंत्री समूहों के हर सदस्य को रात्रि विश्राम किसी जिले में ही करना होगा। रात्रि विश्राम सरकारी अतिथि गृह में ही करना सुनिश्चित करें। हर टीम अपनी भ्रमण रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत करेगी। मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्री समूह की आकलन रिपोर्ट पर चर्चा होगी। इसके बाद जनहित में और कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले पांच वर्ष में टीम यूपी ने जन अपेक्षाओं के अनुरूप विकास और सुशासन का मॉडल प्रस्तुत किया है। अब हमारी प्रतिस्पर्धा हमसे ही है। हमें जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप आचरण करते हुए प्रदेश के समग्र विकास के लिए कार्य करना होगा।

प्रदेश भ्रमण के लिए गठित मंत्री समूहों के अध्यक्ष

1- उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या- आगरा मंडल
2- उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक - वाराणसी मंडल
3- सूर्य प्रताप शाही - मेरठ मंडल
4- सुरेश खन्ना - लखनऊ मंडल
5- स्वतंत्र देव सिंह -मुरादाबाद मंडल
6- बेबी रानी मौर्या - झांसी मंडल
7- चौधरी लक्ष्मी नारायण - अलीगढ़ मंडल
8- जयवीर सिंह- चित्रकूट धाम मंडल
9- धर्मपाल सिंह - गोरखपुर मंडल
10- नंदगोपाल गुप्ता 'नंदी'- बरेली
11- भूपेंद्र सिंह- मिजार्पुर मंडल
12- अनिल राजभर - प्रयागराज मंडल
13- जितिन प्रसाद- कानपुर मंडल
14- राकेश सचान - देवीपाटन मंडल
15- अरविंद शर्मा- अयोध्या मंडल
16- योगेंद्र उपाध्याय- सहारनपुर मंडल
17- आशीष पटेल- बस्ती मंडल
18- संजय निषाद - आजमगढ़ मंडल

संक्षिप्त समाचार

प्रतापगढ़ में छात्र की हत्या, मामला दर्ज

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कोतवाली पट्टी क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक छात्र का शव बरामद किया गया जिसकी कथित तौर पर लाठी-डंडे से मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार इस सिलसिले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के अनुसार जिले के थाना कोतवाली पट्टी क्षेत्र में मंगलवार सुबह भोपालपुर गांव स्थित जंगल में 20 वर्षीय एक छात्र का शव मिला, जिसकी लाठी-डंडे से मार कर हत्या की गई है। थाना कोतवाली पट्टी के प्रभारी निरीक्षक नन्दलाल सिंह ने आज बताया कि भोपालपुर जंगल में एक शव मिला है जिसकी पहचान सुनील वर्मा (20) निवासी नौरंगाबाद, थाना आसपुर देवसरा, प्रतापगढ़ के रूप में की गयी है। उन्होंने बताया कि सुनील बीए द्वतीय वर्ष का छात्र था। लोगों ने अंदेशा जताया कि छात्र की हत्या आशनाई में की गई है लेकिन थाना प्रभारी ने कहा कि विवेचना के बाद ही हत्या के स्पष्ट कारणों का पता चल सकेगा। सिंह ने बताया कि छात्र की मां की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मुजफ्फरनगर में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरने शुरू

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद प्रदेश में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरने शुरू हो गए हैं। मंगलवार को मुजफ्फरनगर में भी धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरने का काम शुरू हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद प्रदेश के लखनऊ, मथुरा, वाराणसी आदि शहरों में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरने का काम शुरू हो गया है। कई धार्मिक स्थलों में लाउडस्पीकर की आवाज बहुत कम कर दी गई है। पश्चिम उप्र में भी पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घार्मिक स्थलों में लगे लाउडस्पीकर की आवाज कम करने और उन्हें उतारने की अपील कर रहे हैं। शांति समिति की बैठक में भी धर्मगुरु से यह अपील की जा रही है। मुजफ्फरनगर में मंगलवार को शाहपुर क्षेत्र में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरने शुरू हो गए। सीओ शाहपुर विनय कुमार गौतम ने मंदिर और मस्जिदों से अतिरिक्त लाउडस्पीकर उतरवाए। दोनों धर्मों के लोगों ने स्वेच्छा से लाउडस्पीकर उतरवाने में सहयोग किया। इसी तरह से जनपद के अन्य हिस्सों में भी यह अभियान चलाया जाएगा।

दलित व्यक्ति को उच्च जाति के लोगोंने पीट-पीटकर मार डाला

फिरोजाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में उच्च जाति समुदाय के कुछ लोगों के एक समूह ने दलित समुदाय के एक व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों पर कथित तौर पर हमला कर दिया। घटना में जय सिंह के सिर में चोट आई औकतरलर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश नारायण ने कहा कि तीन अज्ञात लोगों सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना का एक कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जय के भाई ओमपाल ने आरोप लगाया कि ओमवीर, अवधेश और धर्मवीर सिंह नाम के तीन भाई जय पर 2021 में एक स्थानीय निवासी से खरीदे गए भूखंड को खाली करने का दबाव बना रहे थे। तीनों आरोपी जोधपुर मुदैया गांव के रहने वाले हैं। मृतक की बेटी सोनम ने कहा कि वे हमारी जमीन हड़पने की कोशिश कर रहे थे। फरवरी में, उन्होंने मेरे पिता को भूखंड खाली नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। हमने पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जांच करने गई महिला दारोगा से आरोपियों ने की मारपीट, एक सिपाही भी घायल

कन्नौज (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में सदर कोतवाली क्षेत्र के सरायमीरा इलाके में मारपीट के एक मामले की जांच करने गयी एक महिला दारोगा और उसके सहयोगी पुलिसकर्मी को आरोपियों ने हमला करके घायल कर दिया।

पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने मंगलवार को कहा कि सदर कोतवाली क्षेत्र के सरायमीरा स्थित देविन टोला मुहल्ले में सोमवार देर शाम दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। उन्होंने बताया कि महिला हेल्प डेस्क प्रभारी दारोगा हेमलता रात करीब नौ बजे मामले की जांच के लिए मौके पर पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि इसी दौरान एक पक्ष की रानी देवी ने हेमलता से गाली-गलौज की, मना करने पर उसने अपने समर्थकों के साथ दारोगा और साथी पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया।

उन्होंने बताया कि इस घटना में हेमलता और सिपाही नरेश घायल हो गये। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाल आलोक कुमार दुबे पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे लेकिन तब तक रानी और हमलावर मौके से भाग चुके थे। उन्होंने बताया कि कोतवाल ने महिला दारोगा और सिपाही को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दारोगा हेमलता ने रानी तथा 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फेस ग्रुप की इफ्तार पार्टी बनी आपसी सौहार्द का बेहतरीन नमूना

आपसी सौहार्द के लिए सजाई गई महफिल में सभी धर्मों के लोग हुए शामिल

नई दिल्ली। फेस़ ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 मुश्ताक अंसारी द्वारा रोजा इफ़्तार पार्टी का आयोजन आराम पार्क स्थित अंसारी हाऊस में किया गया। आपसी सौहार्द के लिए सजाई गई इस महफिल में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग दिल्ली सरकार के चेयरमैन जाकिर खान, गाजीपुर मुर्गा मछली मंडी के चेयरमैन भाई मेहरबान कुरैशी, कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश कुमार बग्गा एडवोकेट, उर्स कमेटी दिल्ली के चेयरमैन एफ-आई-इस्माईली, उर्दू अकेडमी दिल्ली के चेयरमैन हाजी ताज मौ0, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अनुज आत्रे, दिल्ली प्रदेश जे-जे- कांग्रेस अध्यक्ष उमर सैफी, सर्वोकॉन वोल्टेज स्टेपलाइजर कम्पनी के सी-एम-डी- हाजी कमरूद्दीन सिद्दीकी, शिक्षाविद् मौ- इलयास, फिक्की के संरक्षक हाफिज सलीम अहमद, दिल्ली स्टेट मोमिन कांफ्रेस के सचिव रियाजुद्दीन अंसारी, कथावाचक संत अजय मिश्रा जी महाराज अयोध्या वाले, गाजीपुर मंडी के पूर्व चेयरमैन चौधरी रियासत अली, न्यूज 247 के चीफ एडिटर मारूफ रजा, प्रमुख समाज सेवी जुगल किशोर, मौ- इकराम एडवोकेट, सलीम अंसारी, फार्मर सहायक पुलिस आयुक्त नियमपाल सिंह, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस विधिक एवं मानवाधिकार विभाग के महासचिव हरीश गोला एडवोकेट, नेहरू विहार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अलीम अंसारी, कृष्णा नगर जिला जे-जे- कांग्रेस अध्यक्ष नदीम अहमद आदि गणमान्य व्यक्तियों ने मुख्य रूप से शिरकत की।

इस मौके पर राष्ट्रीय एकता एवं आपसी सौहार्द पर चर्चा भी की गई जिसमें आयोग के चेयरमैन जाकिर खान ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस तरह की इफ़्तार पार्टियों से आपसी एकता को बल मिलता है। उन्होंने कहा वर्तमान परिवेश में कुछ लोग आपसी सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में लगे हैं हमें ऐसे लोगों से सचेत रहने की आवश्यकता है क्योंकि एकता में ही देश व देशवासियों का हित है। विधायक एस-के- बग्गा एडवोकेट ने कहा कि यही हमारी संस्कृति है कि हम सब भारतीय एक दूसरे के त्यौहारों में बिना किसी धार्मिक भेदभाव के शामिल होते हैं। उन्होंने कहा आज की रोजा इफ़्तार पार्टी में सभी धर्मों के मानने वालों का सम्मलित होना इस बात का प्रमाण है कि देश व समाज के अधिकांश लोग एकता और शांति को पसंद करते हैं। भाई मेहरबान कुरैशी ने कहा कि इस्लाम मजहब हमें यही संदेश देता है कि सभी धर्मों का आदर करों और मानव जाति को सम्मान दो। उन्होंने कहा जो लोग धार्मिक भेदभाव की आड़ में जनता को गुमराह कर-के अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति करना चाहते हैं। उनकी यह दुकानदारी ज्यादा दिन चलने वाली नही है। संत अजय मिश्रा जी महाराज ने कहा कि सभी धर्म मानव हित और शांति का संदेश देते हैं और जो लोग धर्म की आड़ में जनता के बीच नफरत पैदा कर रहे हैं वह देश भक्त नही हो सकते। उन्होंने कहा धर्म इंसान का अपना निजी मामला है, सभी लोग अपनी-अपनी विधि अनुसार धर्मों का पालन करें और अन्य किसी को कष्ट ना दें यह संदेश पूरे देश तक पहुंचना चाहिए।

अतिक्रमण को लेकर सीमापुरी में दौरा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली नगर निगम स्थायी समिति के चेयरमैन वीर सिंह पवार और शाहदर जोन के चेयरमैन प्रवेश शर्मा ने सीमापुरी में अतिक्रमण को लेकर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने जोन के उपायुक्त सहित निगम कर्मचारियों को आदेश दिया कि एक सप्ताह के भीतर सड़कों से अतिक्रमण हटाया जाए।

उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़कों पर कूड़ा बीनने के काम से जुड़े लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। चेयरमैन प्रवेश शर्मा ने बताया कि अतिक्रमण की वजह से यहां यातायात जाम रहता है और कूड़े की वजह से क्षेत्र में बदबू का वातावरण बना रहता है।

प्राचीन बौद्ध साहित्य को सुरक्षित करने पर सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। थाईलैंड में ताड़ के पत्तों पर अंकित अति प्राचीन बौद्ध साहित्य को सुरक्षित करने, उसके अध्ययन-शोध और उसे आम लोगों के बीच लाने का प्रयास शुरू किया गया है। इसके लिए थाईलैंड में अयूथया प्रांत के वांग नोई स्थित एमसीयू के रेक्टर बिल्डिंग में भारत के राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और थाईलैंड की एमसीयू (चियांग माई परिसर) के बीच सहमति बनी है। एमसीयू के रेक्टर प्रो. (डॉ.) फरा धमवज्रबंडित की मौजूदगी में सहमति पत्र पर इंदिरा गांधी कला केंद्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी और एमसीयू के वाइस रेक्टर फरा विमोलमुनि ने हस्ताक्षर किए। इंदिरा गांधी कला केंद्र के मीडिया नियंत्रक अनुराग पुनेठा ने बताया कि समझौते के मुताबिक, उक्त साहित्य का डिजटलीकरण भी किया जाएगा। राष्ट्रीय कला केंद्र इसके लिए एमसीयू के चियांग माई परिसर में एक संरक्षण प्रोयगशाला का भी निर्माण करेगा।

पुनर्वास कॉलोनियों में खतरनाक मकानों का सर्वे शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने साउथ कैम्पस स्थित सत्या निकेतन हादसे के बाद खतरनाक इमारतों को लेकर सर्वे शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि अनेक पुनर्वास कॉलोनियों में लोग अपनी जरूरत के हिसाब से मकानों में अतिरिक्त निर्माण कर रहे हैं, जिसकी वजह से हादसा होने की संभावना अधिक बनी रहती है। सत्या निकेतन से पहले सब्जी मंडी रॉबिन सिनेमा के सामने की दुकान में अंदर की तरफ दीवार हटाकर निर्माण किया जा रहा था और यह हादसे का कारण भी बना। दक्षिणी निगम के भवन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, मानसून से पहले खतरनाक और अवैध तरीके से बनाए गए मकानों का सर्वे कराया जाता है, लेकिन सत्या निकेतन हादसे की वजह से यह सर्वे मंगलवार से ही शुरू कर दिया है। खतरनाक भवनों के सर्वे को लेकर दो इंजीनियर लगाए गए हैं जो कि दक्षिण, मध्य, पश्चिम और नजफगढ़ जोन में सर्वे के लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुनर्वास कॉलोनी सत्या निकेतन के अलावा दक्षिणपुरी, श्रीनिवासपुरी, मदनगीर सहित अन्य पुनर्वास कॉलोनियों में लोग अपनी जरूरत और किराये पर कमरे देने के लिए अवैध तरीके से निर्माण कर रहे हैं। ऐसी सूचनाएं भवन विभाग अधिकारियों को मिली हैं। इंजीनियरिंग विभाग का कहना है कि सर्वे के काम में संधारण और भवन विभाग की टीमें इन सूचनाओं पर काम कर रही हैं। अधिकारियों का यह भी कहना है कि जो लोग चोरी से पुराने मकानों में भीतर ही भीतर दीवार हटाकर निर्माण करते हैं, उनको निरीक्षण के दौरान ही नोटिस जारी किया जाएगा और तुरंत ही कार्यवाही की जाएगी है। 25 ट्रक मलबा हटाया, रात भर 30 निगम

पंजाब और दिल्ली की सरकारों के बीच 'नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट' पंजाब सरकार को केजरीवाल द्वारा रिमोट कंट्रोल से असंवैधानिक रुप से चलाने तरीका है - चौ0 अनिल कुमार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली से पंजाब चलाने के लिए नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ हस्ताक्षर किए है। जो एक असंवैधानिक एग्रीमेंट है। इससे पहले केजरीवाल द्वारा पंजाब के अधिकारियों को बुलाकर मीटिंग लेने का विरोध हुआ था इसलिए पंजाब सरकार चलाने की औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए एग्रीमेंट किया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल दिल्लीवालों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज करके पंजाब सरकार दिल्ली से चला रहे है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली और पंजाब की दोनों सरकारों के नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट द्वारा अधिकारियों, मंत्रियों और अन्य कर्मियों को सार्वजनिक कल्याण और ज्ञान, अनुभव और कौशल को सीखने के लिए जानकारी व नॉलेज साझा की जाएगी। यह एग्रीमेंट दो राज्यों के संवैधानिक अधिकारों के अनुसार कानूनी रुप से लागू करने योग्य नहीं है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि शिक्षा का विकास करने के नाम पर केजरीवाल और भाजपा दोनो शिक्षा के महत्व को ही खत्म करने का काम कर रहे हैं। भाजपा की मोदी सरकार आए दिन शिक्षा पाठ्क्रमों से इतिहास और संस्कृति से जुड़े अध्यायों को हटाकर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करके दूसरी धुरी की ओर ले जा रही है जिस पर केजरीवाल पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है, जबकि वे शिक्षा स्तर को बेहतर बनाने का अलाप रागते है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का यह कहना कि हमारा लक्ष्य एक दूसरे से सीखकर आगे बढ़ना है पूरी तरह से गलत है, क्योंकि दिल्ली के सरकारी विद्यालयों की जो तस्वीर दिखाई जा रही है उसकी वास्तविकता कुछ ओर ही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल की झूठ की राजनीति का अनुसरण पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी कर रहे है, उन्होंने भी जनता से जुड़े शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली को प्राथमिकता से रखने की बात कर रहे है जबकि पंजाब में पिछली कांग्रेस सरकार के समय से ही शिक्षा, स्वास्थ्य व बिजली व्यवस्थाऐं दुरस्त है, भगवंत मान उन्हें सिर्फ केजरीवाल का चोला पहनाने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के चुनिंदा मौहल्ला क्लीनिक को अगर छोड़ दे तो मौहल्ला क्लीनिकों की हालत खस्ता है। अब पंजाब में मौहल्ला क्लीनिक खोलकर भंगवत मान आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं को सरकार की तरफ से निजी लाभ पहुचाने की पहल करने की शुरूआत कर रहे है।

दिल्ली सरकार ने ई-रिक्शा को लेकर बदला ये नियम

अब स्थायी डीएल होने पर ही मिलेंगे रिक्शा

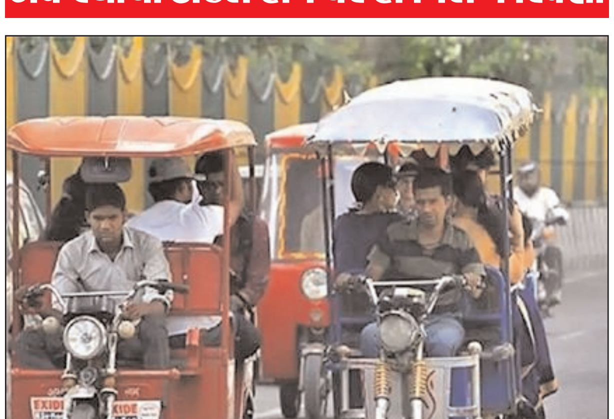

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में अब ई-रिक्शा खरीदने के लिए स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) होना जरूरी है। दिल्ली परिवहन विभाग ने लर्निंग लाइसेंस पर ई-रिक्शा खरीदने के प्रावधान को खत्म कर दिया है। परिवहन विभाग ने इस संबंध में सभी ई-रिक्शा निमार्ता और डीलर्स को भी पत्र लिखा है कि वह यह सुनिश्चित कराएं कि स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस धारक को ही ई-रिक्शा की बिक्री की जाए। उधर, परिवहन विभाग ने लर्निंग लाइसेंस और बिना लाइसेंस के चल रहे ई-रिक्शा को पकड़ने के लिए भी अभियान शुरू कर दिया है।

अधिकारियों का कहना है कि अभी तक लर्निंग लाइसेंस पर भी ई-रिक्शा खरीदने की इजाजत थी, जो 2015 में जारी शासनादेश के तहत दी गई थी। अब उस आदेश को पूरी तरह से खत्म कर ई-रिक्शा खरीदने के लिए स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य किया गया है। यह देखने में आया है कि बड़ी संख्या में ई-रिक्शा बिना लाइसेंस या लर्निंग लाइसेंस के साथ सड़कों पर दौड़ रहे हैं। ऐसे रिक्शा चालकों के खिलाफ अभियान भी चलाया गया है। सोमवार को विकास मार्ग, मदर डेरी और रिंग रोड व अन्य जगहों से 235 रिक्शा पकड़े गए हैं। दिल्ली में मौजूदा समय में एक लाख पांच हजार से अधिक ई-रिक्शा हैं, लेकिन काफी रिक्शा का संचालन बिना स्थायी लाइसेंस के किया जा रहा है जिनके खिलाफ विभाग ने कार्रवाई शुरू की है।

आहार मेला : विरोध के चलते पीयूष गोयल को संक्षेप में खत्म करना पड़ा अपना संबोधन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में आयोजित आहार खाद्य एवं आतिथ्य मेले के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को अपना भाषण बीच में ही रोकना पड़ा। गोयल के भाषण के दौरान मंगलवार को मेले के प्रतिभागियों ने खराब सुविधाओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे। उनके पास खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों और कपड़ा मंत्रालयों का प्रभार भी है। इस मेले का मकसद खाद्य और आतिथ्य उद्योग के ब्रांडों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए मंच देना है। गोयल जैसे ही अपना भाषण देने के लिए उठे, कुछ प्रतिभागियों ने प्रगति मैदान में कथित रूप से खराब सुविधाओं के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने वातानुकूलन (एसी) की अपर्याप्त व्यवस्था, अनियमित बिजली आपूर्ति, परिसर में गंदगी और लिफ्ट तथा एस्केलेटर के काम न करने की शिकायत की।

इस पर गोयल ने कहा कि वह उन्हें हो रही परेशानियों का समाधान खोजने के लिए निर्देश जारी कर रहे हैं। आयोजन स्थल का प्रबंधन भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा किया जाता है। इस बीच, आयोजकों ने प्रतिभागियों को शांत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने अपना विरोध जारी रखा। गोयल ने अपना भाषण संक्षेप में खत्म कर दिया और उन्होंने आंदोलनकारी प्रतिभागियों की बात सुनी और उन्हें शांत करने का प्रयास किया।

पहले पानी भरने को लेकर हुए विवाद में महिला की गला रेतकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंतकुंज इलाके में पहले पानी भरने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी युवक ने एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का पति जब पत्नी को बचाने भागा तो आरोपित ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। हमले में पति का एक हाथ कटकर लटक गया। जबकि दूसरे हाथ में चाकू के गहरे घाव हो गए। गंभीर हालत में पति रमेश कुमार (52) को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। मृतका की पहचान श्यामकला (48) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसका शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। हमले के बाद आरोपित पड़ोसी मौके से फरार हो गया था। वारदात के चंद ही घंटों बाद पुलिस ने आरोपित अर्जुन उर्फ नेपाली (30) को इलाके से दबोच लिया। उस पर पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वसंतकुंज नॉर्थ थाना पुलिस आरोपित से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस के मुताबिक मृतका श्यामकला परिवार के साथ झुग्गी नंबर-166, दलित एकता कैंप, वसंतकुंज में रहती थी। इसके परिवार में पति रमेश कुमार के अलावा एक बेटा शिव कुमार (26) व दो शादीशुदा बेटी मंजू व अंजू हैं। बड़ी बेटी मंजू का बेटा लक्ष्मण (14) भी श्यामकला के साथ रहता था। रमेश ऑटो चालक है जबकि शिव कुमार एसी मैकेनिक हैं। खुद श्यामकला आसपास की कोठियो में झाड़ू-पोछा का काम करती थी। शिव कुमार के दोस्त सुशील कुमार ने बताया कि श्यामकला की झुग्गी के बाहर एक सार्वजनिक नल लगा हुआ है। वहां आसपास के लोग पानी भरते हैं। मंगलवार सुबह करीब 6.00 बजे श्यामकला पानी के डिब्बे लेकर नल पर पहुंची और पानी भरने लगी। इसी दौरान वहां पर श्यामकला का पड़ोसी अर्जुन उर्फ नेपाली भी अपने डिब्बे लेकर पहुंच गया। वह श्यामकला से डिब्बे हटाने के लिए कहने लगा। श्यामकला ने काम जाने की बात पहले उसे ही पानी भरने की गुजारिश की। लेकिन आरोपित नहीं माना और उसकी श्यामकला से तू-तू-मैं-मैं होने लगी।

नर्स यूनियन की अध्यक्ष को सस्पेंड करने पर एम्स के नर्सिंग स्टाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की नर्स यूनियन के अध्यक्ष हरीश काजला को अस्पताल प्रशासन ने सस्पेंड कर दिया। निलंबन का विरोध करते हुए मंगलवार को नर्स यूनियन ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। 22 अप्रैल को ओटी मरीज की सेवा बाधित होने के मामले पर कार्रवाई करते हुए अस्पताल प्रशासन ने सोमवार रात नर्सिंग अधिकारी हरीश कुमार काजला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। काजला के निलंबन को रद्द करने और यूनियन के सदस्यों के खिलाफ सभी प्रकार की जवाबी कार्रवाई को रोकने की मांग की जा रही है। एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया को लिखे पत्र में नर्स यूनियन ने कहा, एम्स नर्स यूनियन के अध्यक्ष हरीश काजला को बिना उचित कारण बताए निलंबित करने के आपके एकतरफा फैसले के जवाब में, यूनियन ने एक आपातकालीन कार्यकारी बैठक बुलाई है और तत्काल मांग करते हुए सुबह 8 बजे, 26/4/2022 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। हमारी मांग है कि हरीश कुमार काजला के निलंबन को रद्द कर दिया जाए। साथ ही यूनियन के अधिकारियों और मुख्य ओटी के यूनियन सदस्यों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई न की जाए। एक बयान में, यूनियन ने कहा, इस पूरे मुद्दे पर अपनी बात कहने और राय रखने के लिए हमें न तो बुलाया गया और न ही हमसे संपर्क किया गया। जिसके कारण हम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर हुए। मामले को लेकर एम्स आरडीए ने कहा कि काजला का निलंबन उनके दुर्व्यवहार और एक रेजिडेंट डॉक्टर के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल करने को लेकर की गई कार्रवाई है। जो कोई भी इस मामले को राजनीतिक लाभ के लिए मोड़ रहा है, ध्यान रखें कि आरडीए, एम्स हमेशा अपने स्टाफ के स्वाभिमान के लिए लड़ता आया है।

संक्षिप्त समाचार

रोहिणी जिले के थाना प्रेमनगर अंतर्गत कई घरों में हुई चोरी

नई दिल्ली, सुषमा रानी। चोरी की वारदात प्रेम नगर थाना अंतर्गत मेन 70 फुट रोड पर हुई है जहां पर भारतीय जनता पार्टी के जिले के महामंत्री एससी मोर्चा नवीन कुमार का नवनिर्मित मकान के घर समर्सिबल पर चोरों ने हाथ साफ किया जो घर के अंदर लगा हुआ था वही उनकी छत का सहारा लेकर पड़ोस में नईम अहमद का मकान था जिन के मकान में चोर ऊपर से नीचे उतर के दरवाजे में बाहर से कुंडी लगा के अंदर पानी की मोटर व सीलिंग फैन चोरी कर ले गए चंद कदम दूरी पर पड़ोस में रहने वाले जसविंदर सिंह की पल्सर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए उसके बाद चोरों ने नवनिर्मित हनुमान जी के मंदिर से लोहे का बोर्ड उखाड़ने की कोशिश कर ही रहे थे कि सामने रहने वाले बलदेव राज जाग गए और शोर मचाया तो चोर एक मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गए मामले की जानकारी बलदेव राज ने नईम अहमद को बताई तो सभी ने अपने अपने घरों में देखा तो किसी घर से समर्सिबल तो किसी के पानी की मोटर व बाइक चोरी की जानकारी आसपास के लोगों को लगी जहां भीड़ इकट्ठी हो गई उसके बाद मामले की जानकारी 112 नंबर कॉल कर पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरी हुई सामानों की सूची बनाकर आसपास के लगे सीसीटीवी खंगालने का काम कर रही है फिलहाल चोरों का सुराग अब तक नहीं लग पाया है।

शाहीन बाग में भी चलेगा बुलडोजर: अतिक्रमण के खिलाफ शुरू होगा एक महीने का अभियान

नई दिल्ली, सुषमा रानी। अतिक्रमण के खिलाफ भाजपा शासित दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि एक महीने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा, हालांकि अभी तक कार्रवाई की तारीख पर अंतिम फैसला होना बाकि है।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के मेयर मुकेश सूर्यन के मुताबिक ओखला, तिलक नगर और शाहीन बाग सहित अन्य क्षेत्रों में भी अभियान चलाए जाने की संभावना है। दिल्ली भाजपा प्रमुख आदेश गुप्ता की तरफ से दक्षिण और पूर्वी निगम को 20 अप्रैल को लिखे पत्र में 'रोहिंग्या, बांग्लादेशियों और असामाजिक तत्वों' की तरफ से किए गए अतिक्रमण को हटाने की बात कही गई है। सूर्यन ने कहा कि इसके लिए नियमित बैठकें हो रही हैं। जिन क्षेत्रों में भारी अतिक्रमण है, वहां यातायात जाम सहित कई और तरह की समस्याएं पैदा होती हैं।

इसको लेकर एक बैठक हुई। इसमें एक महीने के लिए सड़कों, फुटपाथ समेत सभी सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की तैयारी है। ओखला, मदनपुर खादर, तिलक नगर और शाहीन बाग सहित कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अतिक्रमण के कारण आम जन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेयर ने कहा कि अभी भी ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जा रही है। इस प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम सूची तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण विरोधी अभियान की तारीख अभी तय नहीं हुई है और जल्द ही इसे तय किया जाएगा।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर सोमवार देर रात अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। घायल 22 वर्षीय कुलदीप सिंह और 30 वर्षीय अवधेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, रात करीब 1:25 बजे गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर क्षतिग्रस्त स्कूटी मिली। जांच में पता चला कि दोनों घायलों को ऑटो से एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर कुलदीप की मौत का पता चला। कुलदीप उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क का रहने वाला था। जबकि अवधेश परिवार के साथ पूर्वी दिल्ली के मंडावली में रहता है। पुलिस आरोपी चालक को पकड़ने के लिए घटना स्थल की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

धूल के चलते खराब श्रेणी में रहेगी दिल्ली की हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की हवा वातावरण में मौजूद धूल कणों के चलते अभी खराब श्रेणी में रहेगी। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक मंगलवार को 200 के अंक से ऊपर यानी खराब श्रेणी में रिकॉर्ड किया गया। मौसम के अलग-अलग कारकों के चलते दिल्ली के लोगों को इस बार सामान्य से अधिक प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 209 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। सोमवार को यह सूचकांक 244 के अंक पर था यानी चौबीस घंटे के भीतर इसमें 35 अंकों का सुधार हुआ। लेकिन, अब भी यह खराब श्रेणी में ही बना हुआ है। सफर के मुताबिक, दिल्ली की हवा में मौजूद धूल कणों के चलते वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में चल रही है। अगले तीन दिनों के दौरान भी इसमें बहुत ज्यादा सुधार होने की संभावना नहीं है।

वकील से मारपीट के आरोप में एसआई लाइन हाजिर

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में झपड़ मामले में नंद नगरी थाने के एसआई सचिन डांगी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। एसआई सचिन पर नंद नगरी थाने में एक वकील से मारपीट का आरोप है। वकील मारपीट करने के आरोपी एसआई के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग को लेकर अड़े थे। हालांकि, काफी समझाने के बाद वकील ने अपनी शिकायत वापस ले ली है। सोमवार दोपहर में पुलिस उपायुक्तों, जिला न्यायाधीशों और बार एसोसिएशन के बीच हुई बैठक में पुलिस अधिकारियों ने दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया था। अब शिकायत वापस लेने पर पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया है। लेकिन, आरोपी एसआई सचिन को लाइन हाजिर कर दिया गया है। बता दें कि कड़कड़डूमा कोर्ट के वकील नीरज झा रविवार को एक केस के सिलसिले में नंद नगरी थाने पहुंचे थे। जहां थाने में तैनात एसआई सचिन डांगी से उनकी कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि एसआई ने उनके साथ मारपीट की। नीरज की थाने में कोई सुनवाई नहीं हुई। वह घर चले गए। आरोप है कि सोमवार सुबह कोर्ट में पुलिसकर्मी पहुंचे तो कथित तौर पर उनके साथ हाथापाई हो गई। दोपहर को पुलिस उपायुक्तों, जिला न्यायाधीशों और शाहदरा बार एसोसिएशन की बैठक के बाद मामला शांत हुआ।

फर्जी कंपनी खोलकर नौ लोगों से डेढ़ करोड़ ठगे

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा में नौ लोगों से करीब डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने आयात-निर्यात की एक फर्जी कंपनी खोली और जिसमें निवेश पर हर महीने अधिक लाभ का झांसा दिया। कुछ दिनों बाद आरोपी दफ्तर बंद कर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित शबाब हैदर परिवार के साथ भजनपुरा के यमुना विहार में रहते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले साल भजनपुरा के सुभाष विहार में रहने वाले शोएब खान ने एसके आर्ट्स नाम से आयात-निर्यात की एक कंपनी खोली थी। शोएब ने उन्हें और उनके जानकारों को बताया कि इस कंपनी में अधिक फायदा है, लेकिन कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए उसे कुछ रुपये की जरूरत है।

संपादकीय

मंहगाई पर काबू की कौन सोचेगा?

दरअसल मंहगाई वो सार्वभौमिक सत्य है जिसको लेकर शायद ही कभी ऐसा दौर रहा हो सरकार किसी की भी हो, निशाने पर न आई हो। कभी मंहगाई को विकास के पैमाने से जोड़ा जाता है तो कभी इसे महामारी या युध्द के नाम मढ़ दिया जाता है। लेकिन यह भी बड़ी हकीकत है कि कम से कम भारत में मंहगाई की मार हमेशा एक तबका विशेष को ही ज्यादा झेलनी पड़ती है। यह बात अलग है कि समय के साथ इसके निशाने पर समाज का अलग-अलग वर्ग आता रहा है। मौजूदा समय में बेशक मंहगाई का सबसे बड़ा खामियाजा वो मध्यम वर्ग ही झेल रहा है जिसके पास सिवाय सीमित आय से गुजारा करने के और कोई चारा नहीं बचा है। इस सच को भी स्वीकारना होगा कि तमाम वायदों, प्रलोभनों और राजनीतिक दांव-पेंच के बीच कभी सस्ता तो कभी मुफ्त का अनाज, कभी गरीबों को मदद पहुंचाने की होड़ में छूटता और पिसता मध्यम वर्ग ही है जो अपनी सीमित आय और तमाम सरकारी औपचारिकताओं को पूरा कर हमेशा पिसता रहा है। पहले गरीब मंहगाई का शिकार होते थे जब किसी भी तरह की सरकारी योजनाओं का सीधा-सीधा लाभ नहीं मिल पाता था। अब चाहे बात इन्कम टैक्स की हो या मकान भाड़ा, वाहन का भाड़ा हो या वक्त पर काम पर पहुंचने की दौड़, बच्चों को योग्यता के हिसाब से पढ़ाने या रहन-सहन में खर्च की या फिर इज्जत के साथ परिवार के दो जून की रोटी की कवायद। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित मध्यम वर्ग ही हुआ है।

मौजूदा मंहगाई को पहले कोविड की नजर लगी, अभी रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते ग्लोबल इकॉनामी की दुहाई दी गई। जिंस और वित्तीय बाजारों में जैसे उतार-चढ़ाव दिख रहे हैं वह ठीक नहीं हैं। अब ज्यादा सतर्कता के साथ वित्तीय कदम उठाए जाने चाहिए जिससे भारत में मुद्रास्फीति और वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर से निपटने में मदद मिल सके। इसी 11 अप्रेल को सरकार द्वारा जारी किए गए डेटा बताते हैं कि मार्च-2022 में खुदरा महंगाई दर फरवरी-2022 की तुलना में इतनी बढ़ी कि 16 महीनों के उच्चतम स्तर 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गई। फरवरी-2022 में यही दर 6.07 प्रतिशत थी।

इसी मंहगाई दर या वृध्दि की तुलना बीते साल के मार्च से करें तो और भी चौंकाने वाला आंकड़ा सामने है। मार्च में खाने-पीने के सामान के दामों में 7.68 प्रतिशत की वृध्दि हुई जो फरवरी में केवल 5.85 प्रतिशत थी। अंतर और आंकड़े खुद ही कहानी कह रहे हैं। वहीं यदि इसी फरवरी-2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर बदलती दिखने लगती है। पेट्रोल-डीजल के मूल्य में 10-10 रूपए की वृद्धि का असर माल भाड़े पर भी पड़ा और भाड़ा 15 से 20 तक तक बढ़ा। इन कारकों और कारणों से खुदरा और थोक दोनों बाजारों में अनाज, फल, दूध और सब्जियों के दाम किस तरह से बढ़े, सबको पता है। मार्च महीने में खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में 7.68 प्रतिशत की तेजी आई है जबकि यही खुदरा महंगाई दर फरवरी में 5.85 प्रतिशत पर थी। हालांकि 48 अर्थशास्त्रियों के बीच एक पोल के जरिए पहले ही यह अनुमान लगा लिया गया था कि खुदरा मंहगाई दर बढ़ गई है जो 16 महीनों के अधिकतम स्तर पर पहुंच चुकी है। बाद में यही सच निकला। सर्वेक्षण 4 से 8 अप्रेल के बीच किया गया था और सरकारी आंकड़े 11 अप्रेल को आए। फरवरी-2022 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 13.11 प्रतिशत रही जो 4 महीनों का उच्चत्तम स्तर था। वहीं जनवरी-2022 में दर 12.96 प्रतिशत थी जो मार्च-2022 में 14.55 प्रतिशत पहुंच गई। जबकि मार्च 2021 में यही थोक आधारित महंगाई दर केवल 7.89 प्रतिशत थी जिसका दहाई के अंकों तक पहुंचना चिन्ताजनक है।

137 दिनों के अंतराल के बाद भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में इजाफा का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ जिसने कई दिनों तक थमने का नाम नहीं लिया। जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम गिर चुके थे। भारत में पेट्रोल-डीजल के दामों में बीते 22 मार्च से इसी 6 अप्रैल तक कई बार वृध्दि हुई जो दिवाली के वक्त से नहीं बढ़े थे। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर शुरू में भारत में नहीं दिखा क्योंकि 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव थे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 15 मार्च 2022 से पहले लगातार तीन सप्ताह तक 130 डॉलर प्रति बैरल तक उछला तेल भी टूटकर 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों उछाल दुनिया में तेल के दाम गिरने के बाद शुरू हुए।

हालांकि छह अप्रैल से इसे लिखे जाने तक कोई भी कीमत नहीं बढ़ी है। लेकिन तब तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10-10 रुपए का इजाफा हो चुका था। इसी तरह एलपीजी, पीएनजी, सीएनजी के दाम भी बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में कीमतों में गिरावट जारी है। 3 अप्रेल को इंडियन बास्केट की कीमत गिरकर 97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई जो मार्च की औसत कीमत से लगभग 13 प्रतिशत सस्ती है। मंहगाई का सबसे ज्यादा असर थाली पर पड़ता है। नींबू तक ने दामों में ऐसी ऐतिहासिक छलांग मारी कि नजर उतारने के बजाए खुद नजरिया गया। यही हाल आसमान छूते सब्जियों के दामों, दूध, फल और अन्य खाद्य सामग्रियों पर भी पड़ा। लोहे के सरियों की कीमतें जबरदस्त उछलीं। सीमेण्ट भी प्रति बोरी 15 से 25 रुपए बढ़ गई। ईंट तक के दाम खूब उछाल पर हैं। कुछ समय पहले तक दो कमरे, एक रसोई, एक बाथरूम यानी औसत 111 गज का मकान 10 लाख रुपए में आसानी से बन जाता था अब वहीं 12-13 लाख रुपयों से भी ज्यादा हो गई है। इधर आम दवाइयां जैसे बुखार, दर्द निवारक से लेकर एंटीबायोटिक तक की कीमतें भी दस प्रतिशत तक बढ़ीं जिससे इलाज कराने वालों का दर्द घटने की बजाए बढ़ा। रोजाना दवाओं के सहारे जिन्दगी की डोर थामें मरीजों को अब एक-एक सांस भारी पड़ रही है। एक तरफ हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। दूसरी तरफ लॉकडाउन ने करोड़ों रोजगार खत्म कर दिए। अनगिनत व्यापार-व्यवसाय चौपट हुए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग एकाएक गरीब हो गए। उन्हें वो राहत नहीं मिली जो मिलनी थी। रही-सही कसर दो साल में कोरोना ने पूरी कर दी। अब रूस-यूक्रेन युध्द की विभीषिका के नाम पर अर्थव्यवस्था तबाही की कगार पर है। विसंगतियां बहुत हैं। सरकार का राहत पैकेज बड़े उद्योगपतियों को जरूर मिला लेकिन आम जनता के हिस्से आया केवल पांच किलो अनाज। माना कि सरकारी कर्मचारियों की थोड़ी बहुत भरपाई मंहगाई भत्ता बढ़ाकर हो भी जाए लेकिन बांकी मध्यम वर्ग को राहत की कौन सोचेगा? वैसे तो मंहगाई का सब पर असर पड़ता है और पड़ा भी। खाली जेब आम आदमी कैसे जाएगा बाजार? सवाल फिर वही कि मंहगाई को काबू में कैसे रखा जाए? जाहिर है मंहगाई वो बेलगाम घोड़ा है जिसे रोका तो नहीं जा सकता पर काबू जरूर किया जा सकता है। लगता है कि इन हालातों में मंहगाई घटेगी!

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।
संपादक : मो. अकिलुर रहमान
E-mail : rajnitikdaon@gmail.com
Mob-9560268603

पत्रकारिता एक मिशन

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दुनिया प्रशंसा के साथ देखती है कि कैसे लोकतांत्रिक मूल्यों,नियमोंपर क्रियात्मक कार्यवाही सदाचार से लोकतंत्र अपने भविष्य का रास्ता तय करता है और दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा का डंका बजता है। 135 करोड़ लोगों द्वारा दिया गया फैसला हर दल, व्यक्ति और प्रत्याशी को स्वीकार होता है ऐसे लोकतंत्र के मंदिर, संसद भवन की सीढ़ियों पर माथा टेक कर अंदर जाते हुए पीएम महोदय को सारे विश्व में टीवी चैनलों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देखा था। इस लोकतंत्र के चार स्तंभ हैं। न्यायपालिका, कार्यपालिका विधायिका और मीडिया।

साथियों बात अगर हम लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ मीडिया की करें तो इसका रोल भी कम महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि यह इनपर निगाह रखने वाला स्तंभ हैं, जिसका काम जनहित में सूचनाएं दिखाना और लोक व्यवस्था का निर्माण कर समाज को एक सूत्र में बांधे रखने की जिम्मेदारी मीडिया की है, जिसमें प्रिंट मीडिया का स्वतंत्रता संग्राम काल से ही महत्वपूर्ण रोल रहा है।

परंतु वक्त का तकाजा है बदलते परिपेक्ष में बढ़ते प्रौद्योगिकी युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिय की एंट्री हुई, फिर आगे बढ़ते हुए इन्हें निजी क्षेत्रों को दिया गया, विभिन्न एपों, यूट्यूब, चैनलों सहित मीडिया क्षेत्र का भरपूर विकास हुआ जिससे प्रिंट मीडिया को फर्क पड़ा। जिससे कुछ बंद तो कुछ की हालत खस्ता तो कुछ ने बदलते परिपेक्ष में डिजिटल मीडिया की तरफ कन्वर्ट हुए परंतु इस बदलते क्रम में मीडिया की जवाबदारी, जिम्मेदारी भी बढ़ते चली गई और सरकारों को इनपर नियंत्रण के लिए कानून, नियमन, विनियमन की जरूरतों के अनुसार कानून कायदे बनाए गए जिसके आधार पर सैकड़ों चीनी एप्स पर बैन लगा!! और दो दिन पहले ही दस भारतीय और छह पड़ोसी मुल्क के यूट्यूब पर बैन लगा है!!

साथियों बात अगर हम मीडिया की जवाबदारी की करें तो यह लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने, एक स्वतंत्र बंधन मुक्त मजबूत और जीवंत मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है जिसकी प्रमाणिकता और विश्वसनीयता पत्रकारिता की नींव है, जिसमें हमें समाचारों और विचारों के बीच एक लक्ष्मण रेखा का सम्मान करना आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में जरूरी है। क्योंकि पत्रकारिता एक मिशन की तरह है इसमें जनहित सर्वोपरि है। समाज को उनका हक दिलाने, कुनीतियों,भ्रष्टाचार, अव्यवस्थाओं पर नजर रख सुव्यवस्थित लोक व्यवस्थाके निर्माण में सकारात्मक योगदान देकर समाज को एक सूत्र में बांधे रखने की जिम्मेदारी मीडिया पर है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 25 अप्रैल 2022 को यूरोपियन आयोग की अध्यक्षा के रायसीना डायलॉग 2022 दिल्ली के मौके पर विचार व्यक्त करने की करें तो मीडिया के अनुसार उन्होंने कहा कि हर पांच साल में जब भारतीय संसदीय चुनावों में अपना वोट डालते हैं, तो दुनिया प्रशंसा के साथ देखती है क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने भविष्य का रास्ता तय करता है। 1.3 अरब लोगों द्वारा किए गए फैसलों का परिणाम दुनिया भर में गूंजता है। जीवंत लोकतंत्र के रूप में भारत-यूरोपीय संघ मौलिक मूल्यों और सामान्य हितों को साझा करते हैं। साथ में हम प्रत्येक देश के अपने भाग्य का निर्धारण करने के अधिकार में विश्वास करते हैं। हम कानून और मौलिक अधिकारों के शासन में विश्वास करते हैं। हम मानते हैं कि यह लोकतंत्र है जो नागरिकों के लिए सबसे अच्छा उद्धार करता है।

साथियों बात अगर हम माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा दिनांक 24 अप्रैल 2022 को एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार अपने संबोधन में उन्होंने कहाकि जब कानून के संवैधानिक शासन को मजबूत करने की बात आती है तो एक स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रेस, एक स्वतंत्र न्यायपालिका का पूरक होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वतंत्र, बंधनमुक्त व निडर प्रेस के बिना कोई मजबूतऔर जीवंत लोकतंत्र बचा हुआ नहीं रह सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत के लिए अपने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने को लेकर एक मजबूत, स्वतंत्र और जीवंत मीडिया की जरूरत है।

साथियों इसके अलावा उन्होंने मीडिया में मूल्यों के पतन को लेकर सावधान भी किया। उन्होंने निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ रिपोर्टिंग का आह्वान किया। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि समाचारों को विचारों के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। उन्होंने ने इस बातपर जोर दिया कि सदस्यों को विधायिकाओंमें सार्थक तरीके से बहस व चर्चा करनी चाहिए और निर्णय लेना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि मीडिया को संसद और विधायिकाओं में व्यवधान की जगह रचनात्मक भाषणों को लोगों के सामने लाना चाहिए। उन्होंने सनसनीखेज खबरों और संसद व विधानसभाओं में व्यवधान डालने वालों पर अधिक ध्यान देने को लेकर सावधान किया। उन्होंने आगे सार्वजनिक बहसों के गिरते मानकों पर चिंता व्यक्त की।उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि राजनीतिक दल विधायिकाओं और सार्वजनिक जीवन में अपने सदस्यों के लिए आचार संहिता अपनाकर खुद को विनियमित करें।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों को सलाह दी कि वे अपने राजनीतिक विरोधियों पर व्यक्तिगत हमले करने से बचें। उन्होंने दल-बदल विरोधी कानून की किसी तरह की कमियों को दूर करने के लिए इस पर फिर से विचार करने का भी आह्वान किया। उन्होंने आगे इसका उल्लेख किया कि अतीत में पत्रकारिता को एक मिशन माना जाता था, जिसमें समाचार पवित्र होते थे। उन्होंने आगे इस तथ्य को रेखांकित किया कि घटनाओं की निष्पक्ष और सच्ची कवरेज व लोगों तक उनके विश्वसनीय प्रसारण पर अच्छी पत्रकारिता आधारित होती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पत्रकारिता एक मिशन है। लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने एक स्वतंत्र, बंधन मुक्त, मजबूत और जीवंत मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रमाणिकता और विश्वसनीयता पत्रकारिता की नींव है। समाचारों और विचारों के बीच एक लक्ष्मण रेखा का सम्मान करना आधुनिक समय की मांग है।

संकट की बिजली

गौरव राय

कई राज्य बिजली की भारी कमी से जूझ रहे हैं। रोजाना दस-बारह घंटे की बिजली कटौती हो रही है।

हर साल की तरह इस बार भी देश में बिजली का संकट गहराने लगा है। कई राज्य बिजली की भारी कमी से जूझ रहे हैं। रोजाना दस-बारह घंटे की बिजली कटौती हो रही है। सिर्फ घरों को ही नहीं, उद्योगों तक को बिजली नहीं मिल रही। बिजली के बिना किसान भी खेतों में काम नहीं कर पा रहे हैं। कोयले की भारी कमी की बात कह कर बिजलीघरों ने हाथ खड़े कर दिए हैं।

यानी अब आने वाले दिनों में बिजली की कटौती और पसीने निकालेगी। हालात बता रहे हैं कि यह संकट आसानी से खत्म नहीं होने वाला। जैसे ही गर्मी का मौसम शुरू होता है, बिजली की मांग बढ़ने लगती है और बिजलीघर कोयले की कमी का रोना रोने लगते हैं। पर हैरानी की बात यह है कि इसका स्थायी समाधान निकालने की दिशा में कुछ होता दिखा नहीं है। सवाल तो इस बात का है कि जब सरकार को पता है कि पिछले कई सालों से यह समस्या बनी हुई है, तो फिर इससे निपटने के लिए अब तक ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए? क्या बिजली संकट का मुद्दा प्राथमिकता में नहीं होना चाहिए? जब अंधेरे में डूबने की नौबत आने लगती है, तभी हमारी आंखें क्यों खुलती हैं?

जिन राज्यों में बिजली संकट ज्यादा है, उनमें पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र प्रमुख हैं। गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ना कोई नई बात नहीं है। पिछले कुछ सालों के मुकाबले इस साल बिजली की मांग में भारी बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि पिछले अड़तीस साल में पहली बार इस वर्ष अप्रैल में बिजली की सबसे ज्यादा मांग बढ़ी। पर संकट की जड़ें बिजली की मांग में नहीं, उसके उत्पादन में हैं। जिस तेजी से शहरी आबादी बढ़ रही है, उसे देखते हुए तो बिजली की मांग बढ़ेगी ही। फिर घरों में एसी से लेकर बिजली से चलने वाली तमाम चीजें उपयोग में होती हैं।

दूसरी ओर, उद्योगों को पर्याप्त बिजली चाहिए। वरना कारखाने और फैक्ट्रियों में उत्पादन होगा कैसे? जाहिर है, बिजली की मांग तो बढ़ती ही जाएगी। इसलिए सरकार का जोर बिजली उत्पादन और इससे जुड़ी तमाम चीजों और प्रक्रियाओं में आने वाली अड़चनों को दूर करने पर होना चाहिए, न कि इसे मौसमी संकट मानते हुए समस्या को फिर से अगले साल के लिए छोड़ देना चाहिए।

दरअसल बिजली उत्पादन का संकट सीधे-सीधे कोयले की कमी से जुड़ा है। बिजली संयंत्रों को कोयले की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। सामान्य स्थिति में बिजलीघरों के पास छब्बीस दिन का कोयला भंडार में रहना चाहिए। लेकिन पिछले कुछ सालों से देखने में यही आ रहा है कि बिजलीघरों के पास तीन से पांच दिन का कोयला ही रह जाता है।

जबकि सरकार का दावा है कि कोयले की कमी नहीं है, बिजली कारखानों तक कोयले की ढुलाई के लिए रेलवे के पास पर्याप्त साधन हैं। तो फिर समस्या कहां है? क्यों ऐसी नौबत आती है कि बिजली संयंत्रों के पास पांच दिन या एक हफ्ते का ही कोयला भंडार रह जाता है? कोयले और गैस की कमी से कई बिजली संयंत्र क्यों बंद पड़े हैं? जाहिर है, समस्याएं बिजली उत्पादन से जुड़े बुनियादी ढांचे में हैं, जिसे हम अब तक नजरअंदाज करते रहे हैं। जब पता है कि हर साल गर्मी में ऐसे संकट से दो-चार होना पड़ता है और इसके बाद भी अगर स्थायी समाधान की दिशा में कदम नहीं उठते हों, तो क्या इसे व्यवस्था का दोष नहीं कहा जाना चाहिए?

तालिबान और पाकिस्तान मैं आतंकवादी गतिविधियों को लेकर तनाव’

संजीव ठाकुर

आतंकवादी जितने भी संगठन हैं वह कभी एक होकर नहीं रह सकते हैं’ पाकिस्तान के प्रतिबंधित तहरीके तालिबान पाकिस्तान सहित अन्य संगठनों द्वारा अमेरिका के विरुद्ध तालिबान सरकार बनाने में कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध लड़ा था। अब यही संगठनों ने11 पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या कर दी है।पाकिस्तान ने तालिबान को स्पष्ट रूप से धमकाकर कहा है कि इस तरह की आतंकवादी गतिविधियों को पाकिस्तान बर्दाश्त नहीं करेगा’ पाकिस्तानी न्यूज एजेंसी द न्यूज एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार तालिबान सरकार को स्पष्ट रूप से सख्त शब्दों में आतंकवादी समूहों के खिलाफ कड़ी और सख्त कार्रवाई करने को कहां है अन्यथा तालिबान को परिणाम भुगतने की धमकी तक दे डाली है’ उधर इस्लामाबाद एजेंसियों के अनुसार अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में सीमा पर कई हमलों से लगभग एक दर्जन पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने और इस्लामाबाद सरकार की ओर से कड़ा विरोध दर्ज कराने के बाद आतंकवादी समूह को पाकिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों से हटाने के लिए कदम उठाना शुरू कर दिया है’ तालिबान ने भी पाकिस्तान को धमकी दी है की पाकिस्तान समर्थित लश्कर-ए-तैयबा जैस ए मोहम्मद जैसे संगठनों को काबू में रखने के लिए पाकिस्तान को कहा है कि इनकी गतिविधियों पर नियंत्रण रखें अन्यथा वह भी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

पाकिस्तान और तालिबान मूलत आतंकवादी समर्थक देश हैं। अमेरिका को तालिबान से 20 साल के शासन के बाद हटाने के लिए तत्कालीन अफगानिस्तान सरकार के खिलाफ एकजुट होकर युद्ध लड़ा था ,और पाकिस्तान पर तालिबान समर्थक आतंकवादी संगठन में पाकिस्तान और तालिबान के साथ अफगानी सरकार और अमेरिकी सैनिकों के विरुद्ध कंधे से कंधा मिलाकर जंग लड़ी थी। पर आतंकवादी सदैव आतंकवादी होते हैं और अपना मूल चरित्र भूल नहीं सकते हैं। अब पाकिस्तान तथा तालिबान की सीमा पर तहरीक ए इस्लाम पाकिस्तान जो कि पाकिस्तान ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है जिसने पाकिस्तान के ही एक दर्जन सैनिकों को घात लगाकर मार दिया था। आतंकवादियों को लेकर अब खुद तालिबान तथा पाकिस्तानी सरकारें आमने सामने हो गई हैं। पाकिस्तान द्वारा तालिबान की आतंकवादियों पर की जा रही गतिविधियों से संतुष्ट नहीं है उनके आधिकारिक सूत्रों ने कहा है कि आतंकवादी समूह को खत्म किया जाना चाहिए या इस तरह की कार्रवाई की जानी चाहिए कि यह फिर हमारी सेनाओं के लिए खतरा न बन सकें। पिछले दिनों पाकिस्तान सीमा पर आते हुए आतंकवादी हमलों में काफी वृद्धि हुई है, सीमा पर उत्तरी

तालिबान ने पाकिस्तान को दी धमकी

वजीरिस्तान में शनिवार को सीमा पार से आए आतंकवादी हमले में 3 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे जवाब में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुनार और खोस्त प्रांतों में कथित तौर पर आतंकवादी ठिकानों को खत्म करने के लिए जबरदस्त हवाई हमले किए थे। जिसे तालिबानी सरकार काफी नाराज दिखाई दी है। पिछले वर्ष जब पाकिस्तान समर्थित तालिबान आतंकवादियों ने अफगानिस्तान में सत्ता संभाली थी तब पाकिस्तान की उम्मीदें तालिबान से बहुत बढ़ गई थी, वह चाह रही थी कि तालिबान भी पाकिस्तान के साथ एकजुट होकर भारत का कश्मीर में पुरजोर विरोध करें, पर तालिबान ने ऐसा कोई वादा नहीं निभाया , वह कश्मीर के मामले में भारत का विरोधी नहीं हुआ है, इसके अलावा पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवादी संगठनों पर भी तालिबान सरकार ने कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की है। जिससे पाकिस्तान सरकार काफी नाराज दिखाई दे रही है। तालिबान सरकार ने पाकिस्तान की किसी भी तरह मदद नहीं करने से पाकिस्तान काफी खफा हो गया है।

इस तरह आतंकवादियों को पनाह देने वाले दोनों देश पाकिस्तान और तालिबान का नतीजा यह तो होना ही था। क्योंकि दोनों देख पूरे विश्व में आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों की श्रेणी में प्रथम पंक्ति में शुमार किए गए हैं। दोनों देशों के आतंकवादियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित कर उन पर वैश्विक प्रतिबंध रोपित किए गए थे।

भारतीय संदर्भ में यह कहना लाजमी है कि पाकिस्तान तथा तालिबान से भारत के अधीन कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों से भारत सर्वाधिक प्रभावित रहा है, और वह लगातार संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान का इस तरह गतिविधियों में लिप्त होने का पुख्ता प्रमाण प्रस्तुत कर विरोध जताते आया है।

अब तालिबानी आतंकवादियों के विरोध के कारण पाकिस्तान की स्थिति विचित्र एवं असमंजस वाली हो गई है। पाकिस्तान की स्थिति वर्तमान में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से बहुत खस्ताहाल हो गई है। राजनैतिक तौर पर भी पाकिस्तान में 1 वर्ष के लिए अस्थाई शहबाज सरकार स्टेपनी की तरह कार्य कर रही है, शरीफ सरकार ममें नौ दल शामिल है वहां प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को खुद नहीं मालूम कि उसकी सरकार कितने दिन तक चल पाएगी। ऐसी स्थिति में तालिबान से उसका विरोध उसे और बुरी हालत में रसातल में पहुंचा रहा है, भारत अंदरूनी तौर पर बहुत मजबूत होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी शक्तिशाली हो चुका है, और उसे विश्व के अनेक देशों का समर्थन प्राप्त है जबकि पाकिस्तान को केवल चीन का आर्थिक गुलाम होने के कारण थोड़ा बहुत समर्थन प्राप्त है।

शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स 753 अंक तक उछला

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से ज्यादातर समय गिरावट का सामना करने वाले घरेलू शेयर बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक आज लगातार हो रही खरीदारी के कारण मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। शेयर बाजार ने आज के कारोबार की शुरूआत तेजी के साथ की थी और शुरूआती 1 घंटे के कारोबार में भी मामूली बिकवाली को छोड़कर कमोबेश लगातार तेजी बनी हुई है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज 486.35 अंक की मजबूती के साथ 57,066.24 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही चौतरफा लिवाली शुरू हो गई। लिवाली के इस समर्थन से अगले 15 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स 753.60 अंक उछलकर 57,333.49 अंक के स्तर तक पहुंच गया। सेंसेक्स की इस छलांग के बाद सुबह 10 बजे तक बाजार में कमोबेश यही स्थिति बनी रही। कभी खरीदारी का मामूली जोर बनता, तो कभी बाजार में थोड़ी-बहुत बिकवाली होने लगती। जिसके कारण सेंसेक्स भी लगातार ऊपर नीचे की गति दिखाता रहा। लेकिन सुबह 10 बजे के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बनता नजर आया, जिसके कारण सेंसेक्स भी नीचे की ओर से फिसलने लगा। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटा का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 637.55 अंक की बढ़त के साथ 57,217.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई के (निफ्टी) ने भी आज 167.35 अंक उछलकर 17,121.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार में शुरूआती दौर में ही हुई जोरदार खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी भी अगले 15 मिनट के कारोबार में ही 227.90 अंक की बढ़त के साथ 17,181.85 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

इस स्तर पर बाजार में मामूली बिकवाली भी होने लगी, जिसके कारण निफ्टी के ऊपर चढ़ने की गति पर ब्रेक लग गया। सुबह 10 बजे तक बाजार में कमोबेश यही स्थिति बनी रही, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बनने लगा, जिसके कारण निफ्टी पर भी नीचे गिरने का की मजबूरी बन गई। लगातार जारी खरीद बिक्री के भी शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 195.65 अंक की मजबूती के साथ 17,149.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

घरेलू शेयर बाजार ने आज प्री ओपनिंग सेशन में भी मजबूती के साथ कारोबार की शुरूआत की थी। बीएसई का सेंसेक्स 547.71 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,127.60 अंक के स्तर पर था। वहीं निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 50.50 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,004.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को सेंसेक्स 617.26 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,579.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 218 अंक यानी 1.27 प्रतिशत का गोता लगाकर 16,953.95 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

मस्क की बोली पर ट्विटर के सहमत होने के बाद अब आगे क्या होगा?

सैन फ्रांसिस्को। अरबपति कारोबारी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की लगभग 44 अरब डॉलर की अधिग्रहण बोली को ट्विटर के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है, जिसके बाद वह सोशल मीडिया मंच के मालिक बनने के बेहद करीब आ गए हैं।

यह सौदा इस साल पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन इसके लिए अभी शेयरधारकों और अमेरिकी नियामकों की मंजूरी ली जानी है।

मस्क ने 14 अप्रैल को ट्विटर को खरीदने की पेशकश की थी। मस्क ने कहा है कि वह ट्विटर को इसलिए खरीदना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि यह स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मंच के रूप में अपनी क्षमता पर खरा उतर पा रहा है। ट्विटर के बोर्ड ने सोमवार को सर्वसम्मति से उनके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और शेयरधारकों से भी ऐसा करने की सिफारिश की है। यह सौदा एक अप्रैल को ट्विटर के बंद भाव पर 38 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुआ। बोर्ड ने कहा कि यह मस्क ने पर्याप्त नकद प्रीमियम की पेशकश की है, जो ट्विटर के शेयरधारकों के लिए सबसे अच्छा रास्ता होगा। ट्विटर के बोर्ड ने शुरूआत में मस्क को अधिग्रहण से रोकने की कोशिश की, लेकिन हालात उस समय नटकीय रूप से बदल गए जब मस्क ने 46.5 अरब डॉलर की पेशकश कर दी, और कहा कि इसमें से 21 अरब डॉलर वह खुद निवेश करेंगे। मस्क ने कहा कि दूसरे निवेशक भी इसमें योगदान कर सकते हैं।

मस्क को कारोबार का लंबा अनुभव है। वह टेस्ला के सीईओ हैं, जिसका आकार ट्विटर के मुकाबले करीब 25 गुना बड़ा है।

एक प्रौद्योगिकी उद्यमी और निवेशक जॉन मेयर ने कहा, ह्यह्यमुझे लगता है कि ट्विटर के लिए इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता था कि एलन मस्क उसे खरीद लें। उन्हें नए उत्पादों में निवेश दोगुना करना होगा और कमाई के नए रास्ते खोजने होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि मस्क का ऐसा ट्रैक रिकॉर्ड है कि वह असंभव को कर सकते हैं।

एलआईसी का आईपीओ मई के पहले हफ्ते में होने जा रहा लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में निवेश करने वाले निवेशकों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी का आईपीओ मई के पहले हफ्ते में लॉन्च होने जा रहा है। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक एलआईसी का आईपीओ 4 मई को खुलेगा, जबकि 9 मई को बंद होगा। हालांकि, सरकार ने इस आईपीओ के प्राइस बैंड की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की है। लेकिन, आईपीओ का आकार 21 हजार करोड़ रुपये का अनुमान है। एलआईसी के आईपीओ में निवेशक 9 मई, 2022 तक बोली लगा सकते हैं, जबकि एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 2 मई को खुलेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने हाल ही में सेबी के पास एलआईसी के आईपीओ के लिए संशोधित रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) को जमा कराया है। सरकार एलआईसी के आईपीओ में अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जबकि 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना थी। दरअसल सरकार ने शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और निवेशकों की मांग में कमी आने की आशंका के चलते बेची जाने वाली हिस्सेदारी को घटाया है।

उल्लेखनीय है कि सरकार के पास एलआईसी की 100 फीसदी हिस्सेदारी है। रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले तक सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी की वैल्युएशन 12 लाख करोड़ रुपये आंकी गई थी, जो अब घटकर आधी हो गई है। इसके बावजूद एलआईसी का आईपीओ देश का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। ऐसे में सरकार 6 लाख करोड़ रुपये के वैल्युएशन पर

सीतारमण ने अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनियों को भारत में आमंत्रित किया

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अमेरिकी सेमीकंडक्टर उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

वित्त मंत्री ने सिलिकॉन वैली में स्थित कंपनियों के लिए भारत में अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार सेमीकंडक्टर मिशन के जरिए प्रोत्साहन देने के साथ संपूर्ण सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एक भरोसेमंद खिलाड़ी बनने को प्रतिबद्ध है।

सरकार ने पिछले साल देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 76,000 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना का मकसद वैश्विक स्तर पर भारत को उच्च प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करना और बड़े चिप निमार्ताओं को आकर्षित करना है।

डिजाइन, निर्माण, उपकरण, प्रौद्योगिकी और प्रणालियों सहित सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र की दिग्गज हस्तियों ने सैन फ्रांसिस्को में वित्त मंत्री के साथ बैठक में कहा कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में भारत में अपनी क्षमताओं को काफी हद तक बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि वे अनुसंधान एवं विकास के लिए अकादमिक संस्थानों के साथ सहयोग भी कर रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, ह्यह्यप्रतिभागियों ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के मद्देनजर वे कुछ क्षेत्रों पर अधिक निर्भरता की समीक्षा कर रहे हैं और सही नीतियों तथा प्रतिभा के साथ अगला दशक भारत का होगा।

बैठक में एएमडी के मुख्य वित्तीय अधिकारी और कोषाध्यक्ष देविंदर कुमार, वेस्टर्न डिजिटल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डैन स्टीयर, माइक्रोन टेक में वैश्विक परिचालन के कार्यकारी उपाध्यक्ष मनीष भाटिया सहित कई दिग्गज शामिल हुए।

सीतारमण ने उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही से भी मुलाकात की, जिन्होंने भारत में कंपनी के निवेश और विस्तार योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बैठक के दौरान उम्मीद जताई की कंपनी भारत में सभी क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज करेगी और कंपनी अपने मंच पर ड्राइवरों की संख्या को चौगुनी करके 20 लाख तक पहुंचाना चाहती है। वित्त मंत्रालय ने एक अन्य ट्वीट में बताया कि सीतारमण ने फर्स्टसोलर के सीईओ मार्क विडमार से भी मुलाकात की।

मनोरंजन

छवि मित्तल की ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी हुई पूरी, अभिनेत्री ने साझा किया अनुभव

जानी-मानी अभिनेत्री छवि मित्तल ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिये पोस्ट शेयर कर बताया था कि वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। इस खबर के सामने आते ही फैंस एवं सेलिब्रिटी उनके जल्द से जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे थे। वहीं अब एक अच्छी खबर सामने आई है। छवि मित्तल की ब्रेस्ट कैंसर की सर्जरी पूरी हो गई है और अब वह ठीक हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिये फैंस को दी है।

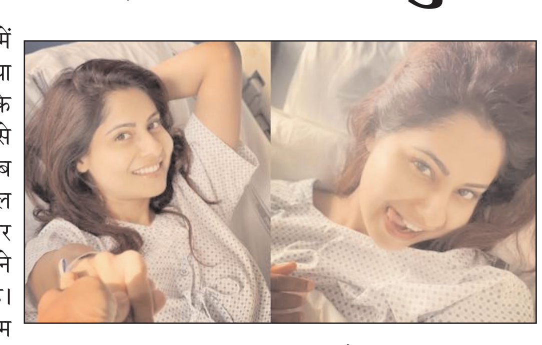

छवि मित्तल ने अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा-'जब एनेस्थिसियोलॉजिस्ट ने मुझे अपनी आंखें बंद करने और कुछ अच्छा सोचने के लिए कहा, तो मैंने देखा कि मेरी सुंदर ब्रेस्ट पूरी तरह से हेल्दी हैं... और फिर मैं सर्जरी में चली गई। अगली बात जो मुझे पता है,वह यह कि मैं कैंसर फ्री हो गई। सर्जरी 6 घंटे तक चली, कई प्रोसेस किए गए। हालांकि, इसे ठीक होने में लंबा वक्त लगेगा, लेकिन अच्छी बात ये है कि ये अब बेहतर होने वाला है। सबसे बुरा वक्त खत्म हो गया है। आपकी प्रार्थनाएं मेरे साथ थीं और मुझे अब और भी उनकी जरूरत है, क्योंकि मैं बहुत दर्द में हूं। दर्द, जो मुझे उस बड़ी लड़ाई की याद दिलाता है जिसे मैंने अभी-अभी अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ जीता था। मेरे साथ बने रहने के लिए आप लोगों का धन्यवाद। आपके संदेशों ने मेरी आंखों में आंसू ला दिए। अभी प्रार्थनाएं बंद मत करो...!; इसके साथ ही छवि ने इस मुश्किल दौर में अपने पति मोहित हुसैन को उनका साथ देने के लिए धन्यवाद दिया है ।छवि ने अपने पति को टैग करते हुए लिखा-'और आखिर में लेकिन सबसे जरूरी। मैं ये बिना तुम्हारे पागलपन के नहीं कर सकती थी मोहित हुसैन। फिर कभी आपकी आंखों में आंसू नहीं देखना चाहती !' छवि के इस पोस्ट के सामने आने के बाद उनके फैंस एवं उनके तमाम चाहने वाले बहुत खुश हैं ।उल्लेखनीय है कि छवि मित्तल ने हाल ही में 16 अप्रैल को पोस्ट शेयर कर बताया था कि वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं, लेकिन वह इससे लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनके हौंसले को देखकर जहां हर कोई छवि की तारीफ कर रहा था वहीं फैंस उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना भी कर रहे थे। छवि अब इस बीमारी को मात देकर पूरी तरह से ठीक हैं। छवि मित्तल छोटे पर्दे की कई मशहूर धारावाहिकों में नजर आ चुकी हैं जिसमें तीन बहुरानियां, घर की लक्ष्मी बेटियां, बंदिनी, एक चुटकी आसमान, नागिन आदि शामिल हैं। इन सबके अलावा छवि अभिनेता सोनू सूद और ईशा कोप्पिकर की फिल्म 'एक विवाह ऐसा भी' में नताशा के किरदार में नजर आ चुकी हैं।

अमिताभ बच्चन से मिली तारीफ से अभिभूत हैं टाइगर श्राफ

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ महानायक अमिताभ बच्चन से मिली तारीफ से अभिभूत हैं। अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने आधिकरिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर तीन तस्वीरों का एक कोलाज शेयर किया था। इन तस्वीरों में अमिताभ स्पॉर्ट्स लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में अमिताभ बच्चन, टाइगर श्रॉफ की तरह किक मारने की कोशिश कर रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए अमिताभ बच्चन ने कैप्शन में लिखा, टाइगर श्रॉफ को अपनी लचीली किक के जरिए सभी 'लाइक' नंबरों को हासिल करते हुए देखकर, मैंने सोचा कि मैं भी एक कोशिश करूंगा, उम्मीद है कि 'लाइक' का एक छोटा प्रतिशत मिले। अमिताभ बच्चन से मिली तारीफ से टाइगर श्राफ अभिभूत हैं। टाइगर श्राफ ने कहा, अमिताभ बच्चन से खुद की और फिल्म की तारीफ सुनना वाकई में किसी भी कलाकार के लिए गर्व की बात होती है। मेरे लिए भी यह मौका बहुत स्पेशल है। खास बात यह है की इस उम्र के पड़ाव में भी वह किक बॉक्सिंग कर रहे थे वह मेरे लिए काफी इम्प्रेसिव था। उनकी एनर्जी बहुत कमाल की है। देश के सबसे महान स्टार और सबसे महान एक्शन हीरो ने मेरी तारीफ की, यह मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है।

राधिका मदान के साथ काम करेंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार अभिनेत्री राधिका मदान के साथ काम करते नजर आयेंगे। अक्षय कुमार ,राधिका मदान के साथ काम करने जा रहे हैं। यह फिल्म दक्षिण भारतीय फिल्म का हिंदी रीमेक है। अक्षय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नारियल तोड़ने की रस्म निभाते हुए राधिका मदान का एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के नाम के लिए लोगों से सुझाव भी मांगे हैं। यह फिल्म सूर्या स्टारर वर्ष 2020 में प्रदर्शित तमिल फिल्म 'सोरारई पोट्रु' का हिंदी रीमेक है। अक्षय ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि नारियल तोड़ने और अपने दिलों में प्राथना करने के साथ ही हम सभी ने अपनी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यदि आपके पास फिल्म के नाम के लिए कोई सुझाव हैं, तो साझा करें और अपनी शुभकामनाएं भी दें। ह्वइस फिल्म का निर्देशन सुधा कोंगारा प्रसाद कर रही हैं, जिन्होंने तमिल फिल्म का निर्देशन भी किया था।

यूक्रेन पर रूस के हमले का 62 वां दिन

रूस के एक किंडरगार्डन में फायरिंग, हमलावर समेत चार लोगों की मौत

कीव, (एजेंसी)। रूस के मध्य उल्यानोवस्क क्षेत्र में मंगलवार को एक हथियारबंद व्यक्ति ने एक किंडरगार्डन में गोलीबारी की, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक उल्यानोवस्क क्षेत्र के सूचना विभाग के प्रमुख दिमित्री कमल ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक किंडरगार्टन में गोलीबारी हुई थी। परिणामस्वरूप, दो बच्चों, एक शिक्षक और हमलावर की मौत हो गई।

बच्चों की उम्र तीन से छह साल के बीच: कमल ने कहा कि जांचकर्ता आगे की जानकारी हासिल करने के लिए घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। कमल ने कहा कि मृत बच्चों की उम्र का पता नहीं चल पाया है, लेकिन उनकी उम्र तीन से छह साल के बीच होगी।

ब्रेक टाइम के दौरान किंडरगार्डन गया हमलावर

कानून प्रवर्तन के एक सूत्रों ने बताया कि शूटिंग घरेलू संघर्ष का परिणाम हो सकता है। टेलीग्राम चैनल बाजा (जिसे रूसी कानून प्रवर्तन के स्रोतों के लिए जाना जाता है) के अनुसार वह व्यक्ति इज (27) डबल बैरल शॉटगन के साथ ब्रेक टाइम के दौरान किंडरगार्डन में चला गया। ड्यूटी पर कोई गार्ड नहीं था।

शूटर ने की आत्महत्या: सूत्रों के मुताबिक क्षेत्र के पूर्व गवर्नर, कानूनविद् सर्गेई मोरोजोव ने कहा कि हमले में एक युवा शिक्षक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि मारे गए दो बच्चों का जन्म 2016 और 2018 में हुआ था। उन्होंने कहा कि शूटर ने आत्महत्या कर ली। बता दें 2021 में रूस को दो अलग-अलग दुखद हत्याओं ने हिलाकर रख दिया था - कजान शहर के एक स्कूल में और पर्म में एक विश्वविद्यालय में। इन घटनाओं ने सांसदों को बंदूकों तक पहुंच को नियंत्रित करने वाले कानूनों को कड़ा करने के लिए प्रेरित किया।

गोवा में टीएमसी को बड़ा झटका, उपाध्यक्ष किशोर नार्वेकर ने दिया इस्तीफा

पणजी, (एजेंसी)। गोवा तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। गोवा टीएमसी के उपाध्यक्ष किशोर नार्वेकर ने मंगलवार को पार्टी की सदस्यता के साथ ही अपने पद से भी इस्तीफा दे दिया है। नार्वेकर ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को अपना इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा देने की वजह निजी कारण बताए हैं। उन्होंने पत्र में लिखा, मैं अपने कुछ निजी कारणों के चलते पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। इसके एक दिन पहले यानी कि 25 अप्रैल को गोवा टीएमसी प्रमुख किरण कंडोलकर की पत्नी कविता कंडोलकर ने पद से इस्तीफा दे दिया था। पहले अध्यक्ष की पत्नी का इस्तीफा देना और उसके अगले दिन उपाध्यक्ष का सभी पदों से इस्तीफा देने के बाद गोवा टीएमसी में खलबली मची है। कविता ने इस्तीफा देने के बाद मीडिया से कहा था कि वह इस्तीफा समर्थकों के मन से दे रहीं हैं। कविता ने हाल ही में बीते गोवा विधानसभा चुनाव में टीएमसी के टिकट पर थिविम क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, उनके पति किरण कंडोलकर ने एल्डोना विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था।

कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता सुनील जाखड़ और केवी थामस को पार्टी के सभी पदों से हटाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने अनुशासनहीनता' के लिए पंजाब प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ को पार्टी के सभी पदों से हटाने और केरल इकाई के वरिष्ठ नेता केवी थॉमस को प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति एवं कार्यकारी समिति से हटाने का फैसला किया है।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की अनुशंसा पर अपनी मुहर लगाई है। इससे पहले समिति ने अनुशंसा की है कि जाखड़ को पार्टी के सभी पदों से हटाया जाए और दो साल के लिए निलंबित किया जाए। सुनील जाखड़ पर विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देने और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। कांग्रेस नेता उदित राज ने पिछले दिनों खुलकर यह मांग की थी कि जाखड़ को पार्टी से निष्कासित किया जाए। दूसरी तरफ, केरल से ताल्लुक रखने वाले पूर्व सांसद थॉमस पिछले दिनों पार्टी के रुख के खिलाफ जाकर राज्य में सत्तारूढ़ माकपा की एक संगोष्ठी में शामिल हुए थे। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से उनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी। सूत्रों ने बताया कि समिति ने मेघालय के पांच विधायकों को निलंबित करने का फैसला लिया है। इन विधायकों ने पार्टी के रुख के खिलाफ जाकर प्रदेश सरकार का समर्थन करने का फैसला किया था। पार्टी के वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अध्यक्षता वाली इस समिति की मंगलवार को बैठक हुई, जिसमें इन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी।

सांसद प्रतिभा वीरभद्र सिंह बनीं हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

शिमला, (एजेंसी)। कुलदीप राठौर का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी प्रतिभा वीरभद्र सिंह को हिमाचल प्रदेश कांग्रेस का 32वां अध्यक्ष बनाया गया है। मंगलवार देर शाम को कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश कांग्रेस में बड़ा फेरबदल किया है। नए अध्यक्ष के साथ चार कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सुखविंद्र सुक्खू को चुनाव प्रचार कमेटी की कमान सौंपी गई है। मुकेश अग्निहोत्री नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। विधायक हर्षवर्द्धन चौहान को उपनेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया गया। विधायक जगत सिंह नेगी को मुख्य सचेतक का पदभार दिया गया। चुनावी वर्ष में क्षेत्रीय संतुलन साधते हुए चंबा से पूर्व मंत्री हर्ष महाजन, कांगड़ा से विधायक पवन काजल, हमीरपुर से विधायक राजेंद्र राणा और सिरमौर से विधायक विनय कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। बता दें कि हाईकमान यह पहले ही तय कर चुका है कि प्रदेश में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जाएगा। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा नहीं की जाएगी।

एक नजर

सीएम पटेल वितरित करेंगे 1184 करोड़ के चेक

गांधीनगर, (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल राज्य के शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत 1184 करोड़ रुपए के चेक वितरित करेंगे। गुजरात म्युनिसिपल फाइनेंस बोर्ड के सीईओ बीसी पटणी ने यहां बताया कि श्री पटेल राज्य के शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 27 अप्रैल को 1184 करोड़ के चेक वितरित करेंगे। गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर के एसआर-4 हॉल में दोपहर ढाई बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में शहरी विकास राज्य मंत्री विनोदभाई मोरड़िया भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

पर्यटनस्थल घोषित होने से जलालाबादवासियों में खुशी

लखनऊ (ब्यूरो)। जलालाबाद में हुए कार्यक्रम में उप्र सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने भगवान परशुराम जन्मस्थली को पर्यटन स्थल जैसे घोषित किया, वैसे ही समस्त जनता में खुशी की लहर दौड़ गई। इस बाबत वर्षो से सतत आंदोलन चलाने वाले राष्ट्र स्वाभिमान ट्रस्ट एवं भगवान परशुराम जन्मभूमि न्यास के संयोजक अशित पाठक ने इस प्रसन्नता जाहिर करते सरकार और मंत्रियों को धन्यवाद दिया और कहा कि क्षेत्र की जनता यह मांग काफी पहले सरकारों को मान लेनी चाहिए थी, परंतु हम सरकार के फैसले का स्वागत और अभिनंदन करते हैं और केंद्र सरकार से मांग करते है कि भगवान परशुराम जन्मस्थली को अतिक्रमण मुक्त कर वाराणसी जैसा भव्य कॉरिडोर बनाकर रामायण सर्किट में शामिल किया जाए और हम सब यह उम्मीद करते हैं कि केंद्र सरकार इस पर जल्द निर्णय लेगी।

कानून व्यवस्था संभालने में फेल हैं यूपी के सीएम: सिंह

लखनऊ (ब्यूरो)।आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रदेश में बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही योगी सरकार पर सोमवार को हमला बोला। उन्होंने ट्वीट किया कि आदित्यनाथ के गृह जनपद में निषाद परिवार के तीन लोगों की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। भाजपा-2 ने तो अपराध के सारे रिकार्ड ही तोड़ दिए हैं। यूपी में आए दिन हत्या, लूट बलात्कार की खबरें अखबार की सुर्खियां बटोर रहीं हैं। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि गोरखपर के मटकोड़वा में शादी समारोह से लौटकर घर जा रहे परिवार के तीन सदस्यों की हत्या सरकार की फेल कानून व्यवस्था का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यूपी की जनता आए दिन यूपी में हो रहे अपराधों से डरी और सहमी हुई है।

आज का इतिहास

- 1526 : मुगल शासक बाबर, इब्राहिम लोदी को पराजित कर दिल्ली का बादशाह बना।
- 1662 : नीदरलैंड और फ्रांस ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1748 : मुगल शासक मुहम्मद शाह का दिल्ली में निधन।
- 1878 : कलकत्ता विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं की पात्रता को मंजूरी दी।
- 1908 : लंदन में चौथे ओलंपिक खेलों का शुभारंभ।
- 1941 : जर्मनी की सेना ने एथेंस (यूनान) पर कब्जा किया।
- 1942 : अमेरिका के ओकलाहोमा प्रांत में तूफान के कारण 100 लोगों की मौत
- 1960 : नयी दिल्ली में नेशनल डिफेंस कॉलेज की स्थापना।
- 1961 : अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र नासा ने गामा किरणों के अध्ययन के लिए पृथ्वी की कक्षा में उपग्रह एक्सप्लोरर 11 को स्थापित किया।

रोशनी से जगमगाया बदरीनाथ धाम, यात्रा की तैयारियां जोरों पर

देहरादून। बदरीनाथ धाम में चारधाम यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रविवार देर शाम बदरीनाथ धाम में बिजली की सप्लाई सुचारु कर दी गई जिससे धाम अब रोशनी से जगमगाने लगा है। धाम में पेयजल, संचार, बैंकिंग सहित कई अन्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए कार्य इन दिनों जोर-शोर से चल रहा है।

बदरीनाथ धाम के कपाट आठ मई को खोले जाएंगे। इसको लेकर धाम में श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कर्मचारी रंग रोगन के साथ अन्य काम में जुटे हैं। इसके अलावा धाम में बिजली, पानी की सप्लाई सुचारु करने और साफ-सफाई सहित अन्य काम किए जा रहे हैं। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने बताया कि यात्रा से पहले सभी तैयारियों को पूरा कर लिया जाएगा।

धाम में होने वाले कामों की लगातार निगरानी की जा रही है। जोशीमठ के विद्युत उपखंड अधिकारी वीके जैन ने बताया कि धाम में बिजली व्यवस्था सुचारु कर दी गई है। कुछ जगह पर छिटपुट काम शेष हैं, जिनको 30 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। होटल सहित अन्य व्यवसायी जैसे-जैसे धाम पहुंच रहे हैं, उनको बिजली कनेक्शन आवंटित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि चारधाम यात्रा के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है।

सीएम धामी ने यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। इसके लिए मुख्यमंत्री मंगलवार की सुबह यहां पहुंच गए। मुख्यमंत्री ने यहां केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा भी की। धामी के केदारनाथ दौरे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छह मई को केदारनाथ आगमन की संभावनाओं से जोड़कर भी देखा जा रहा है। बता दें कि आगामी छह मई को केदारनाथ धाम के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। वहीं शासन में उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार अभी तक प्रधानमंत्री का कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं मिला है, लेकिन यदि वह आते हैं तो शासन-प्रशासन की ओर से तैयारियां पूरी हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी को जब भी समय मिलता है, वह बाबा केदार के दर्शन को चले आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की केदारनाथ धाम के प्रति अगाध आस्था है। केदारपुरी पुनर्निर्माण उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अधिकारी व कर्मचारियों के साथ एक बैठक की। डीएम ने केदारनाथ यात्रा को बेहतर करने व केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने को अपनी प्राथमिकता बताया। डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि केदारनाथ यात्रा पर आने वाले भक्तों को बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी। यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएंगी।

भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ निकाली रैली

बंगाल पुलिस ने चलाई वॉटर कैनन, लाठीचार्ज का आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मंगलवार को भाजपा ने सत्ताधारी टीएमसी सरकार के खिलाफ कोलकाता में विरोध रैली निकाली। इस रैली की अगुआई पार्टी सांसद तेजस्वी सूर्या ने की। उन्होंने ममता सरकार पर जोरदार हमला बोला। भाजपा की रैली को तितर-बितर करने पुलिस ने पानी की बौछार की और प्रदर्शनकारियों को रोकने बैरिकेडिंग भी लगाई गई।

वहीं भाजपा का आरोप है कि पुलिस ने लाठीचार्ज किया और महिला कार्यकर्ताओं पर भी हमला बोला।

तेजस्वी सूर्या ने कहा कि विवेकानंद और रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के संदर्भ में शिक्षा में देश का मार्गदर्शन किया था, अब शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में डूब रही है। युवा मोर्चा हमारी शिक्षा प्रणाली में राजनीतिकरण और भ्रष्टाचार का विरोध कर रहा है। यह तानाशाही सरकार है। ममता बनर्जी हिटलर बन गई हैं। हमारा संवैधानिक अधिकार छीना जा रहा है। हम शांतिपूर्वक बिकास भवन आए और विरोध प्रदर्शन किया, यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। हमसे हमारा अधिकार छीना जा रहा है।

मंडल रेल प्रबंधक सभागार कक्ष में डॉ. अंबेडकर की 131 वीं जयंती समारोह का आयोजन

प्रयागराज ऑल इंडिया एससी, एसटी इम्पलाइज एसोसिएशन उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के सौजन्य से भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 131वी जयंती समारोह का आयोजन महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में मंडल सभागार मंडल रेल प्रबंधक परिसर में किया गया। समारोह का शुभारंभ सर्वप्रथम महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार, मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल मोहित चंद्रा एवं उपस्थित अधिकारियों और एसोसिएशन के जोनल सचिव सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के फोटो पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मुख्य वक्ता अवधेश कुमार मुख्य कार्मिक अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष और उनके राष्ट्रवाद पर भरपूर चिंतन और मनन किया, दूसरे मुख्य वक्ता इंजी. एसपी खरवार ने बाबा साहब के संपूर्ण संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बाबा साहब के राष्ट्रवाद पर विस्तृत वर्णन किया। महिलाओं के विकास में उनके योगदान को याद किया गया, साथ ही मनीषा गोयल उप मुख्य संरक्षा अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे ने बाबा साहेब के विज्ञान एवं कार्य पर तथा भारत के विकास में उनके योगदान की भी चर्चा की। मंडल रेल प्रबंधक मोहित चंद्रा ने बाबासाहेब के संघर्ष एवं राष्ट्रवाद पर बिंदुवार प्रकाश डालते हुए कहा की भारत का संविधान लिखना इतना आसान नहीं था, विभिन्न प्रांतों, विभिन्न भाषाओं, सभी की भावनाओं का समावेष कर एक संविधान बनाया। विश्व के सबसे बड़े संविधानों मे से एक है भारत का संविधान।

फ्रांस की 118 साल की सिस्टर आंद्रे हैं दुनिया की सबसे उम्रदराज महिला

पेरिस, (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जापान की केन तनाका का 119 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन के बाद अब फ्रांस की लुसिले रेनडोन (सिस्टर आंद्रे) दुनिया की सबसे बुजुर्ग व्यक्ति बन गई हैं, उनकी उम्र 118 साल 73 दिन है।

केन का जन्म 2 जनवरी 1903 को जापान के दक्षिण पश्चिम फुकुओका क्षेत्र में हुआ था। इसी साल राइट ब्रदर्स ने पहली बार अपने बनाए विमान में उड़ान भरी थी और मेरी क्यूरी नोबेल पुरस्कार पाने वाली पहली महिला बनी थीं। 19 अप्रैल 2022 को उनकी मौत हुई। अब सिस्टर आंद्रे सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। उनके बाद पोलिश महिला का नंबर आता है, जिनकी उम्र 115 साल है। यह जानकारी कंप्यूटर वैज्ञानिक लॉरेन्ट टोउस्सैंट ने दी।

किम जोंग उन ने लिया परमाणु क्षमता बढ़ाने का संकल्प

प्योंगयांग, (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अपने देश की परमाणु क्षमताओं को सबसे तेज गति से मजबूत करने का संकल्प लिया है। दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी 'योनहाप' ने उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि श्री किम ने सोमवार रात कोरियन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी आर्मी (केपीआरए) की स्थापना की 90वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित परेड में देश की परमाणु क्षमता को 'सबसे तेज गति' से बढ़ाने का संकल्प लिया। उत्तर कोरिया के संस्थापक किम द्वितीय-सुंग ने 1932 में केपीआरए की एक जापान-विरोधी गुरिल्ला बल के रूप में स्थापना की थी।

कराची यूनिवर्सिटी में बुर्काधारी महिला ने किया धमाका

तीन चीनियों समेत चार लोगों की मौत

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान की कराची यूनिवर्सिटी में बम विस्फोट हुआ है। इस धमाके में तीन चीनी नागरिकों समेत चार लोगों की मौत हो गई है। यह आंकड़ा बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में स्थित इस यूनिवर्सिटी में इस तरह का धमाका होना बड़ी घटना है। यह धमाका कराची यूनिवर्सिटी के कन्फ्यूशियस बिल्डिंग के करीब हुआ। सिंध के पुलिस चीफ ने घटना की पुष्टि की है और कहा कि मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को भी इस बारे में अपडेट दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि एक बुर्काधारी महिला ने इस घटना को अंजाम दिया है।

यह हादसा दोपहर ढाई बजे हुआ, जब एक वैन में विस्फोट हुआ। पाकिस्तानी टीवी चैनलों की फुटेज में देखा जा सकता है कि एक सफेद वैन में यह धमाका हुआ और उसके बाद धुंआ फैल गया। मौके पर सुरक्षा बलों को भेजा गया है। पाकिस्तानी टीवी चैनल के मुताबिक बम धमाके में मारे गए लोगों में तीन चीनी नागरिक भी शामिल हैं। यह धमाका उस वक्त हुआ, जब चीनी मूल के शिक्षक वैन से कन्फ्यूशियस डिपार्टमेंट जा रहे थे।

सांगली में चोरों ने बुलडोजर से एटीएम तोड़कर चुराए 27 लाख रुपए

मुंबई, (एजेंसी)। इन दिनों देश के कई राज्यों में बुलडोजर का यूज अपराधियों पर कार्रवाई करने किया जा रहा है, लेकिन महाराष्ट्र के सांगली में कुछ चोरों ने बुलडोजर का ऐसा यूज किया है, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया है। दरअसल सांगली जिले में चोर बुलडोजर से पूरी एटीएम मशीन को उखाड़ कर ले गए है। बुलडोजर से एटीएम मशीन उड़ाने की ये पूरी घटना वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें साफ तौर पर दरवाजा तोड़ बुलडोजर को एटीएम मशीन उखाड़ते हुए देखा जा सकता है। एक शख्स एटीएम में एंट्री करते हुए दिख रहा है, फिर वो दरवाजा खोलकर पीछे हट जाता है, इसके बाद एटीएम में बुलजडोजर की एंट्री होती है।

संरक्षा सेमिनार का आयोजन

प्रयागराज । सुचारू रूप एवं दुर्घटना रहित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य प्रयागराज मंडल द्वारा विभिन्न स्तर पर संरक्षा सेमिनारों का आयोजन कराया जाता है। इन सेमिनारों के माध्यम से रेलवे कर्मचारियों की कार्य संबंधी जानकारी को जानने के साथ-साथ विषम परिस्थितियों में संरक्षा संबंधी उठाए जाने वाले कदम के बारे में भी जानकारी दी जाती है। इसी क्रम में सोमवार को लॉबी प्रयागराज के लोको पायलट क्लास-रूम में विद्युत- परिचालन विभाग के 16 कर्मचारियो के साथ संरक्षा सलाहकार चन्द्रिका प्रसाद द्वारा कई विषयों पर संरक्षा-सेमिनार का आयोजन कराया गया। गाड़ी में आग लगने पर लोको-पायलट और सलोपा द्वारा की जाने वाली त्वरित कार्रवाई। सिग्नल ओवर शूटिंग का कारण एवं बचने का तरीका। सिग्नल संकेत को देखकर हाथ उठाकर ऊंची आवाज में बोलना। दुर्घटना होने पर वगल वाली लाइन का बचाव करना, हमारा उद्देश्य संरक्षा,सुरक्षा,समय-पालन तथा कर्मचारी कल्याण इत्यादि पर चर्चा। संरक्षा सेमिनार में प्रयागराज के मुख्य क्रू नियंत्रक वासुदेव पाण्डेय, तथा मुख्य लोको निरीक्षक रामदास गुप्ता भी उपस्थित थे।

पहला दौरा — पाकिस्तान के प्रधानमंत्री 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जाएंगे सऊदी अरब

पीएम शरीफ के 16 परिजन शामिल, विवाद गहराया

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ सत्ता संभालने के बाद अपने पहले विदेश दौरे पर सऊदी अरब जा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरे पर वह 40 सदस्यों के भारी-भरकम डेलीगेशन को लेकर जा रहे हैं और इनमें 16 लोग तो उनके अपने परिवार के ही सदस्य होंगे। इस पर विवाद भी खड़ा हो गया है और इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने शहबाज शरीफ सरकार पर जनता के पैसों को बर्बाद करने का आरोप लगाया है। हालांकि शहबाज की भतीजी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री मरियम नवाज ने जवाब देते हुए कहा है कि पीएम अपने खर्चे पर सऊदी अरब जा रहे हैं और सभी लोगों का खर्चा वह खुद ही उठाएंगे।

पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के डेलिगेशन में शामिल लोगों की लिस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। अब इस सूची में शामिल लोगों की पुष्टि खुद पीएम ऑफिस ने कर दी है। लिस्ट के मुताबिक कुल 40 लोगों के डेलिगेशन के साथ पीएम शहबाद शरीफ सऊदी अरब जाएंगे। इस दौरान वह मक्का और मदीना की भी यात्रा करेंगे। इनमें से 16 लोग परिवार के ही हैं, जिनमें से कुछ लोग ब्रिटेन और दुबई से निकलकर सऊदी पहुंचेंगे। बता दें कि पीएम बनने के बाद शहबाज शरीफ की यह पहली फॉरेन विजिट है और इसके लिए उन्होंने सऊदी अरब को चुना है।

पहले ही भाषण में सऊदी से दोस्ती का किया था जिक्र

शहबाज शरीफ तीन दिनों की सऊदी अरब यात्रा के तहत 28 से 30 अप्रैल तक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह सऊदी अरब के किंग सलमान और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात करेंगे। सत्ता में आने के बाद अपने पहले भाषण में शहबाद शरीफ ने सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के रिश्तों का जिक्र किया था। इसके अलावा सऊदी अरब के नेताओं से उन्होंने फोन पर बात भी की थी। गौरतलब है कि पाकिस्तान की ओर से लगातार सऊदी अरब से कर्ज लिया जाता रहा है। यहां तक कि 2021 में भी पाकिस्तान ने सऊदी अरब से कर्ज लिया था, लेकिन यह काफी कड़ी शर्तों के तहत मिल पाया था।

फिर कुछ मांगने सऊदी अरब गए हैं शहबाज शरीफ?

कई बार आर्थिक संकट में सऊदी अरब की ओर से पाकिस्तान की मदद की गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि इस बार भी शहबाज शरीफ सऊदी अरब से कुछ मदद मांग सकते हैं। पाकिस्तान के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि शरीफ फैमिली की सऊदी अरब से करीबी रही है। यहां तक कि 1999 में जब मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट किया था तो शहबाज शरीफ सऊदी अरब ही गए थे और वहां 8 सालों तक रहे थे। इसके बाद 2007 में ही वह पाकिस्तान वापस लौटे थे।

गुलाबी नगरी कह रही आपसे पधारो म्हारै देस

जयपुर जिसे हम राजायों की नगरी और पिंक सिटी के नाम से जानते हैं। पिंक सिटी जयपुर का नाम सुनते हमारे दिमाग में रेगिस्तान, और महल की छवि विकृत होने लगती है। जयपुर राजस्थान की राजधानी है जोकि एक अर्द्ध रेगिस्तान क्षेत्र में स्थित है। इस खूबसूरत से शहर को आमेर के राजा महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने बंगाल के एक वास्तुषकार विद्याधर भट्टाचार्य की सहायता से इसका निर्माण करवाया था। जयपुर भारत का पहला शहर है जिसे वास्तुनशार्स्त के अनुसार निर्मित किया गया था।

अगर जयपुर को राजाओं की नगरी कहा जाये तो गलत नहीं होगा। सरकार ने इन राजाओं की हवेलियों को आज भी सरंक्षित करके रखा हुआ। जिसे देखने हर साल लाखों की तादाद में विदेशी और भारतीय सैलानी आते हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों के लोग यहां अपनी ऐतिहासिक विरासत की गवाह बनी इस समृद्ध संस्कृरति और परंपरा को देखने आते है। अगर आप जयपुर घूमने आ रहें हैं तो इन राजसी किलों को देखना तो बिल्कुल ही भूले। अम्बेंर किला, नाहरगढ़ किला, हवा महल, शीश महल, गणेश पोल और जल महल, जयपुर के लोकप्रिय पर्यटक स्थेलों में से हैं। जयपुर सिर्फ पर्यटकों का ही नहीं बल्कि हिंदी सिनेमा की भी पहली पसंद बनता जा रहा है।

जल महलः- जल महल जोकि जयपुर शहर के बीचोंबीच स्थित है। इस महल का निर्माण राजा सवाई जयसिंह ने अश्वमेध यज्ञ के बाद अपनी रानियों और पंडित के साथ स्नातन के लिए करवाया था। इसके साथ ही वह यंहा अपने खली वक्त में अपनी रानियों क साथ भर्मण के लिए भी आते थे। हालंकि अब यह महल पक्षी अभयारण के रूप में विकसित हो गया है। यंहा ढाई से तीन हजार प्रवासी पक्षी आते हैं। इसके साथ ही यंहा राजस्थान की सबसे बड़ी नर्सरी भी है जन्हा 1 लाख से अधिक वृक्ष लगे हैं।

आम्बेर किलाः- आमेर किला जयपुर नगर सीमा के पास ही बसा हुआ छोटा सा कस्बा है। इस कस्बे को मीणा राजा आलन सिंह ने बसाया था। आमेर नगरी राजपुतयों की नगरी हैं क्योकि इस नगरी को राजपूतों ने आलं सिंह से जीत लिया था। आपको बता दे, अकबर की जोधा भी इसी आमेर की राजकुमारी थीं। आमेर नगरी और वहां के मंदिर तथा किले राजपूती कला का अद्वितीय उदाहरण है। आमेर का प्रसिद्ध दुर्ग आज भी ऐतिहासिक फिल्मों के निमार्ताओं को शूटिंग के लिए आर्मत्रित करता है। मुख्य द्वार गणेश पोल कहलाता है, जिसकी नक्काशी अत्यन्त आकर्षक है। आमेर में ही है चालीसा खम्बों वाला वह शीश महला, जहां माचिस की तीली जलाने पर सारे महल में दीपावलियां आलोकित हो उठती है। हाथी की सवारी यहां के विशेष आकर्षण है, जो देशी सैलानियों से अधिक विदेशी पर्यटकों के लिए कौतूहल और आनंद का विषय है।

शीश महलः- आमेर के किले के बाद बारी आती है शीश महल की। जोकि अपने आप में ही बेहद रोमांचक है। इसकी भीतरी दीवारों, गुम्बदों और छतों पर शीशे के टुकड़े इस प्रकार जड़े गए हैं कि केवल एक माचिस की तीली जलाते ही शीशों का प्रतिबिम्ब पूरे कमरे को प्रकाश से रोशन कर देता है। शीश महल के अलावा यहां का विशेष आकर्षण है डोली महल, जिसका आकार उस डोली (पालकी) की तरह है, जिनमें प्राचीन काल में राजपूती महिलाएं आया-जाया करती थीं। इन्हीं महलों में प्रवेश द्वार के अन्दर डोली महल से पूर्व एक भूल-भूलैया है, जहां राजे-महाराजे अपनी रानियों और पट्टरानियों के साथ आंख-मिचैनी का खेल खेला करते थे। कहते हैं महाराजा मान सिंह की कई रानियां थीं और जब राजा मान सिंह युद्ध से वापस लौटकर आते थे तो यह स्थिति होती थी कि वह किस रानी को सबसे पहले मिलने जाएं। इसलिए जब भी कोई ऐसा मौका आता था तो राजा मान सिंह इस भूल-भूलैया में इधर-उधर घूमते थे और जो रानी सबसे पहले ढूंढ़ लेती थी उसे ही प्रथम मिलन का सुख प्राप्त होता था।

नाहरगढ़ किलाः- अगर शीश महल और आमेर किला देखकर आपका जी ना भरा तो थोड़ा सा बढ़ कर एक बार नाहरगढ़ किला जरूर देखिएगा। इस किले पर खड़े होकर आप पूरे जयपुर की खूबसूरती को एकटक निहार सकते हैं और किले की प्राचीर दीवार पर खड़े होकर इस शहर को निहारना, बारिश के मौसम में बादलों का आपको छूकर निकलना, ऐसी खूबसूरती जिसको बयान करना नामुमकिन है। यह किला तो बहुत पुराना है पर सैलानियों की नजरों में फिल्म रंग दे बसंती की शूटिंग के बाद चढ़ा। इस फिल्म के बाद यह जगह सैलानियों और यंगस्टर्स के लिए खास हैंगआउट जोन के रुप में उभरा है।

हवा महलः- हवा महल जोकि राजस्थान की राजधानी जयपुर में सैलानियों के आकर्षण का मुख्य केन्द्रों में से एक है। यह महल शहर के बीचों-बीच स्थित है इस भव्य भवन का निर्माण 1799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने अपनी रानियों के लिए करवाया था। इस महल में बाहर की ओर बेहद खूबसूरत और आकर्षक छोटी-छोटी जालीदार खिड़कियां हैं, जिन्हें झरोखा कहते हैं। इन झरोखों को इसलिए बनवाया गया था ताकि उनकी रानियां पर किसी की निगाह ना पड़े और वे इन खिडकियों से महल के नीचे सडकों के समारोह व गलियारों में होने वाली रोजमर्रा की जिंदगी की गतिविधियों का अवलोकन कर सकें। इसकी प्रत्येक छोटी खिड़की पर बलुआ पत्थर की बेहद आकर्षक और खूबसूरत नक्काशीदार जालियां, कंगूरे और गुम्बद बने हुए हैं। यह बेजोड़ संरचना अपने आप में अनेकों अर्द्ध अष्टभुजाकार झरोखों को समेटे हुए है, जो इसे दुनिया भर में बेमिसाल बनाते हैं।

खान-पानः- ये बात तो हो गयी महलों की अब बात करते हैं यंहा के खान-पान की। बात जयपुरी खाने की हो और जयपुरी गट्टा और घेवर न हो तो बेकार है। अगर आप जयपुर घूम कर थक गए है गट्टे की सब्जी पूरी के साथ ट्राई करना बिल्कुल ना भूले। इसके अलावा दाल बाटी-चूरमा, प्याज की कचैड़ी, कबाब, मुर्ग को खाटो और अचारी मुर्ग यहां के प्रसिद्ध व्यं जन है। खानें के शौकीन इन सब खानों का लुत्फ नेहरू बाजार और जौहरी बाजार में जाकर उठा सकतें हैं। मिठाईयों के शौकीन हैं तो घेवर का एक पीस जरूर चखें। जयपुरी घेवर के अलावा के यंहा की मिश्री मावा और मावा कचैड़ी देश भर में काफी लोकप्रिय हैं।

कुछ हटकर होनी चाहिए बर्थ डे पार्टी

ज्यादातर परिवारों में बच्चों का बर्थ डे मनाने से थोड़ा संकोच किया जाता है और परिवार वाले मिलकर ही बच्चे का जन्मदिन मना लेते है। वैसे तो हर माता-पिता चाहते है कि उनके बच्चे का जन्मदिन कुछ इस ढंग से मनाया जाएं ताकि बच्चा अपना जन्मदिन कभी भूल न सकें। बच्चों को सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है जब उसके बर्थ डे पर पार्टी का आयोजन किया जाए और उसके दोस्तों को निमंत्रण दिया जाए, इसलिए याद रहे बच्चों को बर्थ डे मनाने से बहुत खुशी मिलती है। वे अपने आपको किसी से कम नहीं समझते।

आमंत्रण पत्र

आप कम्प्यूटर से रंग-बिरंगे डिजाइन के आमंत्रण पत्र बना लें। अब बच्चे के बर्थ डे के आमंत्रण पत्र उन लोगों के घर भेजें, जिनके बच्चों को आप बुलाना चाहती हैं।

बर्थ डे की शॉपिंग

बर्थ डे से तीन दिन पहले बाजार जाएं और अपनी डायरी पर लिखे अनुसार शॉपिंग करें। बच्चे की खुशी के लिए आप केक का चयन बच्चे से पूछ कर भी कर सकती हैं।

स्कूल में बर्थ डे

अक्सर स्कूलों में बच्चों को बर्थ डे वाले दिन बर्थ डे ड्रैस डालने की इजाजत होती है। आप इस दिन बच्चे को स्पेशल तैयार करें और खुशी से सामान देकर स्कूल भेजें। स्कूल में अध्यापक से इजाजत लेकर सब बच्चों को गिफ्ट बांटना चाहिए।

घर में बर्थडे पार्टी

जिस कमरे में केक काटने वाले हैं उसे कुछ बढिया से सजाएं। उस में हैप्पी बर्थ डे का बैनर भी लगाएं और केक रखने के लिए टेबल भी सजाएं। केक से थोड़ा हट के चमकीली से भरे बड़े गुब्बारे को लटकाएं ताकि जब आप उसे फोडें तो उसकी सुनहर केक पर न गिरे।

बर्थ डे गेम्ज

अपने बच्चे के बर्थडे पर आप बच्चों से छोटी-छोटी गेम्स करवा सकती हैं। आप कई किस्म के खेल सोच सकती हैं जैसे आप एक टैडी बीयर ले लें और एक गोल दायरे में बच्चों को बिठा लें। कोई अभिभावक पीठ करके म्यूजिक लगाए। जब तक म्यूजिक चलता रहे बच्चे उस टैडी बीयर को एक तरफ से एक-दूसरे के आगे दें। जहां पर म्यूजिक रुके आप देखें, जिस बच्चे के हाथ में टैडी बीयर है उस बच्चे को कुछ सुनाने को कहें। ऐसा करने से बच्चों को खूब आनन्द आएगा।

बर्थडे के पश्चात

आप चाहें तो डैकोरेशन का सारा सामान उतार कर ठीक-ठाक ढंग से रख लें। उसी में कुछ और डाल कर आप अगले बच्चे का बर्थडे भी मना सकते हैं।

कुलदीप-अश्विन की घातक गेंदबाजी से जीता राजस्थान

आईपीएलः बेंगलुरु को 29 रनों से हराकर अंकतालिका में शीर्ष पर राजस्थान

पुणे (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के तेज गेंदबाज कुलदीप सेन (20 रन पर चार विकेट) और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (17 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को कम स्कोर वाले आईपीएल मुकाबले में 29 रनों से हरा दिया।

राजस्थान की आठ मैचों में यह छठी जीत है और वह तालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंच गई है। मैन ऑफ द मैच रियान पराग के अर्धशतक की बदौलत राजस्थान रॉयल्स को 20 ओवर में आठ विकेट पर 144 रन पर रोक दिया। जबाव में बेंगलुरु के बल्लेबाज इस छोटे लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए और बेंगलुरु की टीम 19.3 ओवर में 115 रन पर सिमट गई। बेंगलुरु को इस तरह नौ मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पिछले मैच की तरह बेंगलुरु के बल्लेबाज क्रीज पर टिकने में नाकात दिखे। फॉर्म सुधारने के लिए ओपनिंग में उतारे गए विराट कोहली की खराब किस्मत ने उनका साथ नहीं छोड़ा और वह दूसरे ओवर में कृष्णा को विकेट दे बैठे। विराट नौ, कप्तान फाफ डुप्लेसी 23 और मैक्सवेल शून्य पर चलते बने। बेंगलुरु के मिस्टर फिनिशर कहलाये जा रहे दिनेश कार्तिक इस बार छह रन बनाकर रन आउट हो गए। बेंगलुरु ने अपना छठा विकेट 72 के स्कोर पर गंवाया। युजवेंद्र चहल फॉलो थ्रू में गेंद को सही से पकड़ नहीं आये लेकिन फिर गेंद संभालकर उन्होंने कार्तिक को रन आउट कर दिया। ट्रेंट बोल्ट का कैच विराट ने चीते की फुर्ती और बिजली की रफ्तार से इस गेंद को कैच के रूप में लपक लिया। बेंगलुरु ने अपना आखिरी विकेट 115 के स्कोर पर गंवाया और उसे हार का सामना करना पड़ा।

मप्र के कुलदीप सेन ने झटके चार विकेट

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	08	06	02	12	0.561
गुजरात	07	06	01	12	0. 396
हैदराबाद	07	05	02	10	0.691
लखनऊ	08	05	03	10	0.334
बेंगलुरु	09	05	04	10	-0.572
पंजाब	08	04	04	08	-0.419
दिल्ली	07	03	04	06	0.715
कोलकाता	08	03	05	06	0.080
चेन्नई	08	02	06	04	-0.538
मुंबई	08	00	08	00	-1.000

आज का मुकाबला

शाम. 7:30 बजे

गुजरात टाइटंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद

रियान पराग ने जड़ा अर्धशतक

पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान के तीन विकेट 4.1 ओवर में 33 के स्कोर तक गिर गए। बटलर और कप्तान संजू सैमसन बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। इसके बाद मैन ऑफ द मैच रियान पराग ने नाबाद 56 रन बनाकर राजस्थान को 144 तक पहुंचाया। पराग ने हर्षल पटेल के पारी के आखिरी ओवर में दो छक्के और एक चौका मारकर 18 रन बटोरे। बेंगलुरु ने सिराज, हेजलवुड और हसरंगा के दो-दो विकेटों मिले।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
बटलर कै. सिराज बो. हेजलवुड	08	09	1/0
पड़िक्कल पगबाधा सिराज	07	07	0/1
अश्विन कै. एवं बो. सिराज	17	09	4/0
संजू सैमसन बो. हसरंगा	27	21	1/3
मिचेल कै. मैक्सवेल बो. हेजलवुड	16	24	0/0
रियान पराग नाबाद	56	31	3/4
हेटमायर बो. प्रभुदेसाई बो. हसरंगा	03	07	0/0
बोल्ट कै. कोहली बो. हर्षल	05	07	0/0
प्रसिद्ध कृष्णा रन आउट	02	05	0/0
युजवेंद्र चहल नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्तः 3 कुलः 20 ओवर में आठ विकेट पर 144 रन **विकेट पतनः** 1-11, 2-33, 3-33, 4-68, 5-99, 6-102, 7-110, 8-121, **गेंदबाजीः** शाहबाज अहमद 3-0-35-0, मोहम्मद सिराज 4-0-30-2, जोश हेजलवुड 4-1-19-2, वानिंदु हसरंगा 4-0-23-2, हर्षल पटेल 4-0-33-1, ग्लैन मैक्सवेल 1-0-04-0,

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली कै. रियान बो. कृष्णा	09	10	2/0
डु प्लेसिस कै. बटलर बो. सेन	23	21	3/1
रजत पाटीदार बो. अश्विन	16	16	0/1
मैक्सवेल कै. पडिक्कल बो सेन	00	01	0/0
शाहबाज कै. रियान बो. अश्विन	17	27	0/1
प्रभुदेसाई कै. रियान बो. अश्विन	02	07	0/0
दिनेश कार्तिक रनआउट	06	04	1/0
हसरंगा कै. एवं बो. सेन	18	13	2/0
हर्षल पटेल कै. रियान बो. सेन	08	11	0/1
मोहम्मद सिराज कै. सेन बो. कृष्णा	05	05	1/0
हेजलवुड नाबाद	00	02	0/0

अतिरिक्तः 11, कुलः 19.3 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट **विकेट पतनः** 1-10, 2-37, 3-37, 4-58, 5-66, 6-72, 7-92, 8-102, 9-107, 10- 115 **गेंदबाजीः** ट्रेंट बोल्ट 3-0-20-0, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-23-2, रविचंद्रन अश्विन 4-0-17-3, कुलदीप सेन 3.3-0-20-4, डैरिल मिचेल 1-0-7-0, युजवेंद्र चहल 4-0-23-0,

हर्षल पटेल और रियान पराग के बीच हुई झड़प

बेंगलुरु के गेंदबाज हर्षल पटेल और राजस्थान के बल्लेबाज रियान पराग के बीच झड़प देखने को मिली। आखिरी ओवर में रियान पराग ने दो छक्के और एक चौके के साथ 18 रन बटोरे थे। दरअसल, राजस्थान के रियान पराग ने हर्षल के ओवर की और पारी की आखिरी गेंद पर छक्का जड़ा और इसी के साथ वह डगआउट की ओर जाने लगे, लेकिन हर्षल पटेल ने कुछ बोल दिया। इसके बाद रियान पराग ने पलटकर जवाब दिया तो दोनों के बीच गहमागहमी देखने को मिली।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंची बडोसा

न्यूयॉर्क। स्पेन की टेनिस खिलाड़ी पाउला बडोसा पिछले हफ्ते स्टुटगार्ट ओपन में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद डब्ल्यूटीए की नई रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आ गई है। यह उनके करियर की सबसे उच्च रैंकिंग भी है। बडोसा डब्ल्यूटीए टूर के शीर्ष-2 में शामिल होने वाली चौथी स्पेनिश महिला बन गईं, जिसमें कोंचिता मार्टिनेज, गारबाइन मुगुरुजा और अरांटेक्स सांचेज विकारियो शामिल हैं। वह वर्तमान में 5,045 अंकों के साथ नंबर 2 स्थान पर है। वो चेक गणराज्य के नंबर 3 बारबोरा क्रेजिसिकोवा के 5,043 अंक से केवल दो अंक आगे है। इस बीच, पोलैंड की 20 वर्षीय इगा स्विएटेक ने एक बार फिर स्टुटगार्ट में खिताब जीतने के साथ शीर्ष पर अपनी बढ़त को मजबूत रखा है। दुनिया की नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी ने अपना लगातार चौथा खिताब जीता और रैंकिंग में अपनी बढ़त को बढ़ाकर 2,136 अंक कर लिया। ब्रिटिश किशोरी और 2021 यूएस ओपन की विजेता, ग्रेट ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू ने अपने पहले करियर के मुख्य ड्रॉ क्ले-कोर्ट में स्टुटगार्ट ओपन में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया और 100 रैंकिंग अंक अर्जित किए। इस हफ्ते, वह टॉप-10 में डेब्यू करने के करीब एक कदम और करीब बढ़कर 11वें नंबर पर पहुंच गईं, जो उनके करियर की हाई रैंकिंग है। इस सप्ताह करियर की ऊंचाई पर पहुंचने वाली अन्य शीर्ष-100 खिलाड़ियों में रूस की ल्यूडमिला सैमसोनोवा शामिल हैं, जो स्टुटगार्ट में सेमीफाइनलिस्ट हैं।

कुछ लोग मुझसे जलते थे इसलिए मुझे अपनी चमड़ी मोटी करनी पड़ीः रवि शास्त्री

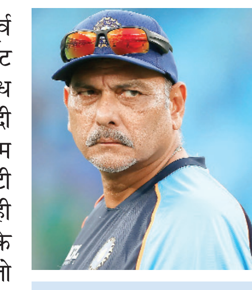

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नवनियुक्त प्रबंध निदेशक रॉब की को एक अहम सलाह दी है। शास्त्री ने कहा कि इस पद पर काम करने के लिए रॉब को अपनी चमड़ी मोटी करनी होगी, ताकि जलने वाले जलते ही रहे। शास्त्री ने कहा कि उनके कार्यकाल के समय भारत में एक ऐसा भी गैंग था, जो हमेशा चाहता था कि वह असफल हों।

उन्होंने कहा, टीम इंडिया का कोच बनने से पहले मेरे पास कोई कोचिंग बैज लेवल-1, लेवल-2 नहीं था। कुछ लोग हमेशा चाहते थे कि मैं असफल हो जाऊं। लेकिन मेरी चमड़ी ड्यूक गेंद से भी मोटी है, इसलिए मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। रॉब को भी ऐसा करने की जरूरत होगी। उन्हें केंट की ओर से लंबी कप्तानी का अनुभव है तो मुझे उम्मीद है कि वह खिलाड़ियों से बेहतर संवाद स्थापित करेंगे। रॉब भी शास्त्री की तरह एक प्रमुख कॉमेंटेटर रह चुके हैं। शास्त्री ने यह भी कहा कि इंग्लैंड क्रिकेट में सुधार करने के लिए रॉब को पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट से चर्चा करना चाहिए। उन्होंने कहा, इंग्लिश क्रिकेट की खामियों को समझने के लिए रॉब को निश्चित तौर पर रूट से एक लंबी चर्चा करनी चाहिए। इसके अलावा रॉब का कॉमेंट्री अनुभव भी इसमें बहुत काम आएगा क्योंकि एक कॉमेंटेटर के तौर पर वह इंग्लैंड क्रिकेट को बहुत नजदीक से देखते आए हैं।

इंग्लैंड का मुख्य कोच बनने में कोई दिलचस्पी नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें इंग्लैंड का मुख्य कोच बनने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 4-0 से हारने के बाद इंग्लैंड के कोच क्रिस सिल्वरवुड ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। साक्षात्कार में यह पूछे जाने पर कि क्या वह इंग्लैंड का कोच बनने में दिलचस्पी लेंगे, शास्त्री ने कहा, अरे नहीं, उस रास्ते पर मत जाओ। भारत के साथ सात साल रहने के बाद मुझे इंग्लैंड के मुख्य कोच बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

लय पकड़ने के बाद कोलकाता को रोकना मुश्किल होगाः श्रेयस अय्यर

मुंबई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल 2022 में पिछले कुछ मैचों में लय में नहीं दिखी है। लेकिन लगातार चार हार के साथ कोलकाता बिखड़ती नजर आ रही है और वह अब अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। लेकिन कप्तान श्रेयस अय्यर का दावा है कि एक बार केकेआर मैच जीत कर आगे बढ़ जाएगी, तो टूर्नामेंट में उन्हें रोकना मुश्किल होगा। कोलकाता को अगला मुकाबला दिल्ली से 28 अप्रैल को होगा।

अय्यर ने कहा, हम मैदान पर उतरने और मैच जीतने के लिए सभी विभागों में बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। यह सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करने के ऊपर है। इसके अलावा, मुझे वास्तव में इस बात पर गर्व है कि मैं एक अद्भुत फ्रेंचाइजी का हिस्सा हूं। अय्यर को विश्वास है कि टीम मजबूती से वापसी करेगी। अय्यर ने कहा, यह निश्चित रूप से मेरे लिए एक ऐसी अद्भुत टीम की कप्तानी करने के लिए गर्व का क्षण है, जहां हम बहुत सारी प्रतिभा को खेलते देख रहे हैं। हमने चार मैचों में से तीन जीत के साथ वास्तव में अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसके बाद चीजें अच्छी नहीं रही। लेकिन मुझे अभी भी टीम पर विश्वास है। मजबूत वापसी को लेकर विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम बिलिंग्स एक चुनौती के रूप में देखते हैं। लेकिन वह सकारात्मक टीम भावना और टीम के भीतर विश्वास की बात करते हैं, जो चीजों को बदलने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अय्यर ने कहा, हमें अभी पता चला है कि क्वॉलीफायर ईडन गार्डन में हैं, इसलिए हम 100 प्रतिशत प्रयास करेंगे कि हम मैच जीतें और वहां जाकर अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करें।

दूसरे दौर में पहुंची सात्विकसाईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिपः थाईलैंड की जोड़ी को दी शिकस्त

नई दिल्ली। शीर्ष भारतीय पुरुष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को सीधे गेम में जीत के साथ बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप (बीएसी) के दूसरे दौर में जगह बनाई।

दुनिया की सातवें नंबर और यहां तीसरी वरीय भारतीय जोड़ी को अपिलुक गेटराहोग और नातचानोन तुलामोक की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 21-13 21-9 की जीत के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने 27 मिनट में जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग अगले दौर में अकिरो कोगा और ताइची साइतो की जापान की जोड़ी से भिड़ेंगे। इशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो ने भी मिश्रित युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी ने लाउ च्युक हिम और युंग एनगा टिंग की हांगकांग की जोड़ी को आधा घंटा चले मुकाबले में 21-15 21-17 से शिकस्त दी। कृष्ण प्रसाद गारगा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की भारतीय पुरुष जोड़ी को हालांकि पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद कांग मिनह्युक और किम वोन्हो की दक्षिण कोरिया की जोड़ी के खिलाफ तीन गेम में 10-21 21-19 16-21 से हार झेलनी पड़ी। पुरुष युगल में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भिड़ंत फजार अलफियान और मोहम्मद रियान एड्रियांतो की इंडोनेशिया की चौथी वरीय जोड़ी से होगी जबकि मिश्रित युगल में वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन को इंडोनेशिया के प्रवीण जोर्डन और मेलाती देइवा ओकताविया‍निती के खिलाफ उतरना है।

विंबलडन 2022 में हिस्सा लेंगे नोवाक जोकोविच

ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिए आवश्यक नहीं टीकाकरण, ऑल इंग्लैंड क्लब के मुख्य कार्यकारी ने दी जानकारी

लंदन। विश्व के नंबर वन खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को कोविड-19 का टीका नहीं लगाने के बावजूद विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब की रक्षा करेंगे क्योंकि ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिए टीकाकरण आवश्यक नहीं है।

ऑल इंग्लैंड क्लब के मुख्य कार्यकारी सैली बोल्टन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 34 वर्षीय जोकोविच को टीकाकरण नहीं करने के कारण इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया से बाहर कर दिया गया था और वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग नहीं ले पाए थे। विंबडलन 27 जून से शुरू होगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से पूर्व बोल्टन ने कहा, निश्चित तौर टीकाकरण के लिए सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जाएगा लेकिन यह प्रतियोगिता में भाग लेने की शर्त नहीं होगी। जोकोविच आस्ट्रेलियाई ओपन में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाये थे तथा 11 दिन तक चले कानूनी घटनाक्रम के बाद उन्हें देश छोड़ना पड़ा था। वह इसके बाद वह इंडियन वेल्स और मियामी जैसे टूर्नामेंट में भी नहीं खेल पाये थे क्योंकि किसी भी ऐसे विदेशी नागरिक को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं है जिसने टीकाकरण नहीं करवाया हो। अमेरिकी टेनिस संघ ने कहा कि वह अगस्त के आखिर में शुरू होने वाले यूएस ओपन के लिये कोविड-19 टीकाकरण से जुड़े सरकारी नियमों का पालन करेगा। ऑस्ट्रेलिया में घटी घटना के बाद जोकोविच ने कहा था कि अगर अन्य ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिये टीकाकरण अनिवार्य शर्त होती है तो वह उनसे बाहर रहने के लिए तैयार हैं। अगला ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन है जो 22 मई से शुरू होगा। टूर्नामेंट की निदेशक एमिली मोरेस्मो ने पिछले महीने कहा था कि जोकोविच को पेरिस में अपने खिताब का बचाव करने से कोई नहीं रोकेगा। फ्रेंच ओपन से पहले होने वाले क्ले कोर्ट टूर्नामेंट इटालियन ओपन ने भी कहा है कि जोकोविच अगले महीने होने वाले टूर्नामेंट में खेल सकते हैं।

मोईन के एक हफ्ते में चोट से उबरने की संभावना

मुंबई। दबाव में चल रही चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम को अगले कुछ और मुकाबलों में सीनियर खिलाड़ी मोईन अली की सेवाएं नहीं मिलेंगी लेकिन मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग को उम्मीद है कि इंग्लैंड का यह आलराउंडर एक हफ्ते में चोट से उबर जाएगा। मोईन को शनिवार को ट्रेनिंग सत्र के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतरे जिसमें सुपरकिंग्स को 11 रन से हार का सामना करना पड़ा। मोईन सुपरकिंग्स की ओर से पिछला मुकाबला 17 अप्रैल को खेले थे और इस मैच में भी टीम को गुजरात टाइटंस के खिलाफ तीन विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। फ्लेमिंग ने कहा, उसका टखना मुड़ गया था, एक्सरे में खुलासा हुआ है कि फ्रेक्चर नहीं है लेकिन इससे उबरने में समय लगता है, शायद सात दिन। उम्मीद करते हैं कि वह तेजी से उबरेगा क्योंकि फ्रेक्चर नहीं है। पिछले सत्र में खिताब जीतने वाली चेन्नई की टीम के अहम सदस्य रहे मोईन मौजूदा सत्र में बल्ले और गेंद दोनों से जूझ रहे हैं। मोईन ने अब तक 17.40 की औसत से 87 रन बनाए हैं जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 48 रन की पारी भी शामिल है।

28 अप्रैल को होगी जिला फुटबॉल संघ बैठक

भोपाल। भोपाल जिला फुटबॉल संघ की आम सभा दिनांक 28 अप्रैल 2022 को समय 4 बजे से कमला देवी स्कूल करोंद में आयोजित होगी जिसमे फुटबॉल संघ के सभी पदाधिकारी गण उपस्थित होने जा रहे है आम सभा में 2022 -23 फुटबॉल से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा होगी। भोपाल जिला फुटबॉल संघ से संबंधित सभी क्लब /अकादमी के सेक्रेटरी/प्रेसिडेंट को सभा में उपस्थित होना अनिवार्य है।

भारत की पूर्व महिला हॉकी कप्तान एलवेरा ब्रिटो का निधन

नई दिल्ली। भारत की पूर्व महिला हॉकी कप्तान एलवेरा ब्रिटो ने 60 के दशक में हॉकी जगत में अपना लोहा मनवाया था। उनका मंगलवार सुबह तड़के बेंगलुरु में निधन हो गया। एलवेरा और उनकी दो बहनें रीटा और माय महिला हॉकी में सक्रिय थीं और 1960 और 1967 के बीच कर्नाटक के लिए खेली थीं, इस दौरान उन्होंने तीन बहनों के साथ सात राष्ट्रीय खिताब जीते थे। एलवेरा को 1965 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और वह ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और जापान के खिलाफ भारत के लिए खेली थीं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम ने कहा, एलवेरा ब्रिटो के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उन्होंने महिला हॉकी में बहुत कुछ हासिल किया और एक प्रशासक के रूप में राज्य खेल की सेवा करना जारी रखा। हॉकी इंडिया और पूरी हॉकी बिरादरी की ओर से, हम उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

जमशेदपुर कैंप में पहुंची भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम इस साल के अंत में भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 विश्व कप की तैयारी के लिए जमशेदपुर कैंप पहुंच गई है। शिविर में कुल 33 खिलाड़ियों को बुलाया गया है, जो युवा लड़कियों को थॉमस डेनरबी की कोचिंग के तहत आने वाली चुनौती के लिए तैयारी करते हुए दिखाई देंगी। टीम में इस साल की शुरुआत में सैफ अंडर-18 महिला चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली टीम के 12 खिलाड़ी शामिल हैं।

जैन यूनिवर्सिटी की टॉप पोजीशन कायम

बेंगलुरु। जैन यूनिवर्सिटी ने तैराकी पूल मेंअपने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक तालिका शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। जैन यूनिवर्सिटी ने पूल में आज दांव पर लगे 10 स्वर्ण पदकों में से चार जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। 57 यूनिवर्सिटीज ने पदक तालिका में अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। तैराकी पूल में मंगलवार को आठ रिकॉर्ड टूटे। दिन का सबसे बड़ा परिणाम मुक्केबाजी हॉल में देखने को मिला। पंडित दीन दयाल उपाध्याय शेखावाटी यूनिवर्सिटी की मुस्कान ने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की विंका को 57-60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में हराया। मुस्कान ने विभाजित फैसले के आधार पर यह मैच जीता।

खेलो इंडिया गेम्स में हर एथलीट को विशिष्ट होने का अनुभव मिलता हैः श्रीवल्ली रश्मिका

बेंगलुरु, एजेंसी। तेलंगाना की टेनिस खिलाड़ी श्रीवल्ली रश्मिका कई वर्षों से भारत में जूनियर टेनिस वर्ग में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। 20 वर्षीय के नाम पहले से ही दो एआईटीए जूनियर नेशनल चैंपियनशिप हैं और उन्हें 2018 में भारत में रौला गैरो द्वारा आयोजित एक आमंत्रण कार्यक्रम जीतने का गौरव प्राप्त है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को पेरिस में जूनियर रौला गैरो मुख्य प्रतियोगिता में वाइल्डकार्ड एंट्री के जरिये प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिला था। रश्मिका आईटीएफ ग्रेड 3 इवेंट में सेमीफाइनल खेल चुकी हैं और वे पूरा ध्यान केवल अपने टेनिस करियर में आगे बढ़ने पर दे रही हैं।

रश्मिका खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। खेलो इंडिया गेम्स प्लेटफॉर्म पर अब तक के अपने अनुभव के बारे में रश्मिका ने कहा, ह्लइतना बड़ा मल्टी-स्पोर्ट इवेंट आयोजित करना आसान नहीं है, लेकिन यहां सब कुछ सावधानीपूर्वक व्यवस्थित किया गया है और आयोजकों ने प्रशंसनीय काम किया है। यहां तक कि आवास में सुविधा के साथ, खिलाड़ियों को 'आर्ट ऑफ लिविंग' का अनुभव मिल रहा है, जो खिलाड़ियों को ध्यान केन्द्रित करने में मदद करता है और यह खेल के मानसिक पहलू को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण होता है।"

उन्होंने कहा, ह्लमैंने पहले भी कई इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स खेले हैं, लेकिन यह एक अलग प्लेटफॉर्म है। प्रत्येक खेल को दिया गया महत्व, इसे दूसरों से अलग करता है और प्रत्येक एथलीट को यहां विशिष्ट होने का अनुभव मिलता है। वे आपको ऐसा महसूस कराते हैं कि आप यहां के बड़े खिलाड़ियों में से एक हैं।"

खिलाड़ियों के दृष्टिकोण से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्लेटफॉर्म के बारे में रश्मिका ने कहा, ह्लयह प्लेटफॉर्म खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने के लिए बहुत प्रेरणा देता है। बहुत सारे खिलाड़ी, जो विश्वविद्यालयों में हैं और अपने खेल में पेशेवर बनना चाहते हैं, उन्हें ऐसा लगता है कि ऐसा करने के लिए उनके पास समय की कमी है और उन्हें अपनी शिक्षा पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, लेकिन ये खेल खिलाड़ियों को यह देखने के लिए एक प्लेटफार्म देते हैं कि वे किस स्तर पर हैं, वे अपने स्तर का परीक्षण करते हैं और उन पहलुओं की पहचान करते हैं जिन पर उन्हें अधिक काम करने की आवश्यकता होती है। इस स्तर पर मैच जीतने से आपको आत्मविश्वास मिलता है और जब आप हारते हैं, तब भी आप सीखते हैं कि आपको किस पर काम करने की जरूरत है। इसलिए, इन खेलों का आयोजन जारी रखने से प्रतिस्पर्धा का स्तर बढ़ेगा और कोई भी खेलों के महत्व को कम नहीं मानेगा।

बातचीत तथा हाव-भाव में आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए, रश्मिका ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 में अपने लक्ष्यों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ह्लहम (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद) यहां जीतने के लिए हैं।